

मोटी-मोटी

बातें

जब हर नागरिक कहेगा कि देश के लिए मेरा भी योगदान है, तब भारत की प्रगति को कोई नहीं रोक सकता :
मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी



हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज अधिकारों की चर्चा तो बहुत होती है, लेकिन कर्तव्यों और जिम्मेदारियों पर अपेक्षाकृत कम चर्चा होती है। हमें यह समझने की आवश्यकता है कि हमारे अधिकार क्या हैं, हमारा दायित्व क्या है और एक नागरिक के रूप में हमारी जिम्मेदारी क्या है। उन्होंने कहा कि 'हम भारत के लोग, हमारा दायित्व' जैसे महत्वपूर्ण विषय पर विचार-विमर्श के लिए एकत्र होना अपने आप में एक सार्थक पहल है। ऐसे आयोजनों में होने वाली चर्चा से निकलने वाले विचारों का लाभ आने वाली पीढ़ियों को मिलता है और उन्हें देश व राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को समझने की दिशा मिलती है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी रविवार को चंडीगढ़ में पंचनद शोध संस्थान द्वारा आयोजित 33वां वार्षिक व्याख्यान पूर्व-लोकमंथन कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का विषय 'हम भारत के लोग, हमारा दायित्व' था। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान पंचनद शोध संस्थान को 11 लाख रुपये देने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि संविधान में मौलिक कर्तव्यों को शामिल किया गया था, लेकिन लंबे समय तक अधिकारों पर अधिक और कर्तव्यों पर कम चर्चा होती रही। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस कार्यक्रम में वक्ताओं द्वारा रखे जाने वाले विचार आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रकाश स्तंभ की तरह काम करेंगे और देशवासियों को राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का मार्ग दिखाएंगे।

खड़गे के कार्यक्रम में कांग्रेसी युवक की पिटाई, पार्टी अध्यक्ष ने पीएम मोदी को लेकर दिए विवादित बयान



पटना। बिहार की राजधानी पटना में रविवार को बिहार के पहले मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उस समय हंगामा हो गया, जब खुद को कांग्रेसी बताने वाले एक युवक ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर टिप्पणी की। युवक ने कथित तौर पर कहा कि इस तरह की लड़ाई से पीएम मोदी नहीं जाने वाले। इस पर खड़गे ने पीएम मोदी को लेकर अपशब्द बोल दिए, जिस पर हंगामा हो गया। साथ ही, कुछ लोगों ने युवक के साथ हाथापाई भी की। बताया जा रहा है कि युवक छपरा का रहने वाला है। वह खड़गे को यह समझाने की कोशिश कर रहा था कि इस तरह की राजनीतिक लड़ाई से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सत्ता से नहीं हटाया जा सकेगा। इसी दौरान दोनों के बीच हुई बातचीत को लेकर कार्यक्रम में हंगामे की स्थिति बन गई। इस कार्यक्रम में खड़गे ने चुनाव प्रक्रिया, ईवीएम, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की विचारधारा को लेकर भी अपनी बात रखी। कांग्रेस अध्यक्ष ने मांग की कि देश में सभी चुनाव बैलेट पेपर के माध्यम से कराए जाएं और एसआईआर की प्रक्रिया तत्काल रोक दी जाए। उन्होंने पिछले दो वर्षों में हुए विधानसभा चुनावों को रद्द करने की मांग भी उठाई।

मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से हिमाचल स्काउट्स बटालियन गठित करने का किया आग्रह

हिन्द जनपथ
शिमला (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द सिंह सुक्खू ने केंद्र सरकार से लद्दाख स्काउट्स, सिक्किम स्काउट्स और अरुणाचल प्रदेश स्काउट्स की तर्ज पर हिमाचल स्काउट्स की एक समर्पित बटालियन गठित करने का आग्रह किया है। प्रस्तावित बटालियन के माध्यम से प्रदेश के युवाओं, विशेषकर किन्नौर और लाहौल-स्पीति जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों के युवाओं को सेना में भर्ती के लिए विशेष अवसर उपलब्ध होंगे। इन क्षेत्रों के युवा ऊंचाई वाले दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों और कठिन जलवायु परिस्थितियों से भली-भांति परिचित होते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार की विशेष बटालियन के गठन से भारत की चीन-भारत सीमा, विशेषकर वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी), पर रक्षा तैयारियों को और मजबूती मिलेगी। साथ ही, दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में सैन्य अभियानों की क्षमता भी बढ़ेगी। श्री सुक्खू ने कहा कि हिमाचल को देवभूमि के साथ-साथ वीरभूमि के रूप में भी जाना जाता है। प्रदेश के एक लाख से अधिक युवा सशस्त्र बलों में सेवाएं दे रहे हैं, जबकि लगभग इतनी ही संख्या में पूर्व सैनिक भी देश की रक्षा और सुरक्षा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे चुके हैं। प्रदेश की गौरवशाली सैन्य परंपरा का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के प्रथम परमवीर चक्र विजेता मेजर सोमनाथ शर्मा हिमाचल प्रदेश से संबंध रखते थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के वीर सैनिकों ने अपने शौर्य, समर्पण और बलिदान से देश का मान बढ़ाया है। यह पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे वीर सैनिकों ने राष्ट्र की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने से कभी पीछे कदम नहीं खींचे। हिमाचल प्रदेश की वीरभूमि ने चार परमवीर चक्र विजेता दिए हैं, जो प्रदेश की साहस और वीरता की समृद्ध विरासत, देशभक्ति और बलिदान की गौरवशाली परंपरा का प्रमाण है।



प्रधानमंत्री मोदी के पिता पर मल्लिकार्जुन खरगे की टिप्पणी अत्यंत निंदनीय: अमित शाह

हिन्द जनपथ
शिमला (ब्यूरो)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा पटना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता को लेकर की गई कथित अभद्र टिप्पणी की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ने एक बार फिर राजनीतिक शिष्टाचार और सार्वजनिक जीवन की सभी मर्यादाओं को तार-तार कर दिया है। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के परिवार को निशाना बनाना कांग्रेस की पुरानी राजनीतिक प्रवृत्ति बन चुकी है। उन्होंने कहा कि यह पहली बार



नहीं है जब कांग्रेस नेताओं ने प्रधानमंत्री या उनके परिवार के सदस्यों के विरुद्ध अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया हो। उन्होंने कहा कि कभी प्रधानमंत्री मोदी

की पूजनीय माताजी के विषय में अपशब्द कहे गए, कभी उन्हें 'मौत का सौदागर' कहा गया और कभी 'चायवाला' कहकर उनकी साधारण पारिवारिक गृष्ठभूमि तथा गरीबी का उपहास उड़ाने का प्रयास किया गया।

शाह ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी लगातार राजनीतिक संवाद की मर्यादाओं को लांघ रही है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में वैचारिक मतभेद और राजनीतिक आलोचना का अपना स्थान है, लेकिन किसी नेता के माता-पिता और परिवार को व्यक्तिगत हमलों का निशाना बनाना

किसी भी दृष्टि से उचित नहीं ठहराया जा सकता।

****कांग्रेस की राजनीतिक स्थिति पर टिप्पणी करते हुए**** अमित शाह ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में लगातार मिल रही चुनावी पराजयों के कारण कांग्रेस पार्टी में हताशा और निराशा बढ़ती जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के पास अब न कोई स्पष्ट नीति बची है और न ही जनता के सामने रखने के लिए ठोस मुद्दे हैं। यही कारण है कि उसके नेता व्यक्तिगत टिप्पणियों और अपमानजनक बयानबाजी का सहारा ले रहे हैं।

हम पंजाब को शिक्षा के केंद्र के रूप में विकसित कर रहे हैं: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

धुरी- मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज कहा कि पंजाब को शिक्षा के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों के सुधार कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी और सरकार द्वारा युवाओं के लिए करियर के नए रास्ते खोले जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि उनकी सरकार द्वारा युवाओं को रिश्वत और फ्रमाइश के बिना पूरी तरह योग्यता के आधार पर 70,000 से अधिक सरकारी नौकरियां दी गई हैं।

धुरी के गांव बरड़वाल स्थित देश भगत कॉलेज में युवा मेले के दौरान युवाओं को संबोधित करते हुए

मुख्यमंत्री ने उन्हें शिक्षा और कड़ी मेहनत पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पंजाब को ऐसे चुने हुए प्रतिनिधियों की जरूरत है जो लोगों के दुखों और समस्याओं को समझ सकें।

इस मौके की कुछ यादें साझा करते हुए, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने 'X' पर लिखा: 'आज मुझे धुरी हल्के के गांव बरड़वाल स्थित देश भगत कॉलेज में करवाए गए

क्षेत्रीय युवा मेले के दौरान युवाओं से रूबरू होने का मौका मिला। उनके उत्साह और कलात्मक हुनर को देखकर मुझे अपने शुरुआती दिनों की याद आ गई, क्योंकि मेरा सफर भी ऐसे ही मंचों से शुरू हुआ था।





हरियाणा सरकार



आदि काव्य 'रामायण' के रचयिता एवं संस्कृत साहित्य के नये युग का सूत्रपात करने वाले आदि कवि

महर्षि वाल्मीकि जी

की जयंती पर देशवासियों को

हार्दिक बधाई

राज्य स्तरीय कार्यक्रम

अध्यक्षता

श्री नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री, हरियाणा

26 अक्टूबर, 2026 | प्रातः 8:00 बजे

संत कबीर कुटीर, सेक्टर 3, चंडीगढ़

कार्यक्रम से जुड़ने के लिए

QR कोड स्कैन करें





“सभी देशवासियों को महर्षि वाल्मीकि जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं। प्राचीनकाल से ही हमारे समाज और परिवार पर उनके सात्विक और आदर्श विचारों का गहरा प्रभाव रहा है। सामाजिक समरसता पर आधारित उनके वैचारिक प्रकाशपुंज देशवासियों को सदैव आलोकित करते रहेंगे।”

- नरेन्द्र मोदी



सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा



www.pharyana.gov.in | @diprharyana

न्यूज डायरी

12वें ब्रिक्स संसदीय मंच में भाग लेने नई दिल्ली पहुँचे विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पटानियां।

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पटानियां आज शाम चण्डीगढ़ से वायु मार्ग द्वारा भारत की संसद द्वारा 26 व 27 अक्तूबर, 2026 को नई दिल्ली में आयोजित किए जा रहे 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच में भाग लेने नई दिल्ली पहुँचे। इस अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन संसद भवन नई दिल्ली में किया जा रहा है। इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पटानियां को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। पटानियां वैसे भी राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में अपने बेहतरीन सम्बोधनों तथा संसदीय प्रणाली में उनकी दक्षता से अपनी काबलियत का लोहा मनवा चुके हैं।

12वें ब्रिक्स संसदीय मंच का उदघाटन देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 26 अक्तूबर को पूर्वाह्न 10:30 बजे नई दिल्ली स्थित संसद भवन में करेंगे जबकि लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला इस अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। इस अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में केन्द्रिय विषय “जन केन्द्रित विकास के लिए संसद को बढ़ावा देना” पर चर्चा की जाएगी जिसका मुख्य उदेश्य बदलती दुनिया में संसदों की सहनशीलता बढ़ाना, कृत्रिम बुद्धिमता और डिजिटल तकनीकों को मानव केन्द्रित बनाना, वैश्विक शासन को अधिक प्रतिनिधित्व बनाना तथा सतत और समावेशी विकास पर चर्चा करना।

बनूटी में खेल महाकुंभ 2026 का आगाज, 10 हजार खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। हिमाचल प्रदेश स्पोर्ट्स कल्चर एन्वॉयरमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा है कि क्षेत्र के विकास के साथ साथ सामाजिक गतिविधियों को बढ़वा देने व युवाओं में बढ़ते नशे के खिलाफ जागरूक करने के उद्देश्य से खेल प्रतिभाओं को एक मंच पर लाने व उनमें खेलों को बढ़ावा देने के लिये उन्हें आगे लाने का पूरा प्रयास कर रहे हैं। आज शिमला के साथ लगते बनूटी ग्रामीण खेल महाकुंभ के शुभारंभ अवसर पर लोगों से उन्होंने इन खेल गतिविधियों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी है कि इस खेल प्रतियोगिता में लगभग 10 हजार खिलाड़ी विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा और दमखम दिखाएंगे। प्रतियोगिताओं में क्रिकेट, वॉलीबॉल, रस्साकस्सी, कबड्डी और बैडमिंटन के साथ मॉडलिंग तथा लोकनृत्य को भी शामिल किया गया है

विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि खेल युवाओं को अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना सिखाते हैं। खेलों के माध्यम से युवा अपनी ऊर्जा का सही दिशा में इस्तेमाल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई में समाज के हर वर्ग की भागीदारी जरूरी है और युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनानी चाहिए।

विक्रमादित्य सिंह ने महिलाओं की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल कर रही हैं। प्रदेश की महिला खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हिमाचल का नाम रोशन किया है। उन्होंने खेलों में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया।खेल महाकुंभ के माध्यम से क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। साथ ही, युवाओं में खेल भावना, आपसी भाईचारे और नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश भी मजबूत होगा।

अहसास ग्रुप के प्री-करवाचौथ समारोह में महिलाओं ने बिखरे हुनर के रंग

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। अहसास ग्रुप ऑफ शिमला की ओर से आयोजित प्री - कर वा चौथ सेलितब्रेशन - 2०26 उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुआ। संस्था की संस्थापक रूपा शारदा के नेतृत्व में आयोजित समारोह में महिलाओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में जहां आकर्षक खिताब प्रतियोगिताओं ने समां बांधा, वहीं गायन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह को यादगार बना दिया। इस दौरान विजेताओं को विभिन्न खिताबों से नवाजा गया, जबकि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को सम्मानित कर उनके योगदान को भी सराहा गया। समारोह में साधना जयराम, उमा कौशल, सुधा भारद्वाज और सत्य कौंडल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना से हुआ। इसके बाद कृष्ण लीला की मनमोहक प्रस्तुति ने उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया। समारोह में महिलाओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेते हुए अपने आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और हुनर का परिचय दिया। खिताब प्रतियोगिता की पहली श्रेणी में रंजना गोयल ने मैसेज कलचौका का खिताब अपने नाम किया, जबकि रंजना शर्मा रनर-अप रहीं। मोनिका सूद को मैसेज गॉर्जियस, राधा सूद को ग्लैमर क्वीन, सोनिया को डैजलिंग दीवा, कल्पना शर्मा को क्वीन ऑफ चार्म और ईशा शर्मा को एलिंगेट लेडी के खिताब से सम्मानित किया गया।



राज्यपाल ने विकसित, आत्मनिर्भर एवं समावेशी भारत के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयासों का किया आह्वान

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने वर्ष, 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सामाजिक सद्भाव, उद्यमशीलता, आत्मनिर्भरता और समावेशी विकास राष्ट्र की प्रगति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

राज्यपाल हरियाणा के हिसार में अग्रोहा विकास ट्रस्ट द्वारा आयोजित 43वें वार्षिक अग्रोहा मेले एवं सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने महाराजा अग्रसेन जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सेवा, समानता, सहयोग और सामाजिक सद्भाव पर आधारित उनके आदर्श पूरे राष्ट्र के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

राज्यपाल ने कहा कि महाराजा अग्रसेन जी केवल एक महान शासक ही नहीं, बल्कि दूरदर्शी समाज सुधारक भी थे। उन्होंने ऐसे समाज की परिकल्पना की जिसमें समृद्धि का लाभ सभी को मिले और प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान एवं गरिमा के साथ जीवन जीने का अवसर प्राप्त हो। उन्होंने ‘एक ईंट, एक रुपया’ की परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सामुदायिक सहयोग, सामूहिक



उत्तरदायित्व और आत्मनिर्भरता की भावना का उत्कृष्ट उदाहरण है।

अग्रवाल समाज के योगदान की सराहना करते हुए श्री गुप्ता ने व्यापार, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में समाज की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि समाज द्वारा जनकल्याण के उद्देश्य से स्थापित विद्यालय, अस्पताल, धर्मशालाएं और गौशालाएं सेवा, परंपकार तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति उसकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विकास यात्रा का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि देश वर्ष

सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन और स्वदेशी सहित पंच परिवर्तन से होगा सशक्त एवं संगठित भारत का निर्माण : प्रो. डॉ. वीर सिंह रांगड़ा

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शिमला जिले के केशव नगर द्वारा आयोजित विजयादशमी उत्सव एवं संघ के शताब्दी वर्ष कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश के प्रांत संचालक प्रो. (डॉ.) वीर सिंह रांगड़ा ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने पर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के उद्देश्य से पंच परिवर्तन के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के कार्य को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि संघ का उद्देश्य केवल संगठन का विस्तार करना नहीं, बल्कि संस्कारवान व्यक्ति, सशक्त परिवार, समरस समाज और शक्तिशाली राष्ट्र का निर्माण करना है।

प्रो. रांगड़ा ने पंच परिवर्तन के पांच प्रमुख विषयों— सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी एवं स्व-बोध तथा नागरिक कर्तव्य— पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता का अर्थ जाति, वर्ग और ऊंच-नीच के भेदभाव को समाप्त कर समाज में आत्मोपतता एवं समानता स्थापित करना है। पर्यावरण संरक्षण के अंतर्गत जल संरक्षण, पौधारोपण और प्रकृति के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाना आवश्यक है।

स्वदेशी एवं स्व-बोध हमें अपनी संस्कृति, परंपराओं और स्वदेशी उत्पादों के प्रति गौरव का भाव सिखाते हैं। नागरिक कर्तव्य प्रत्येक व्यक्ति को अनुशासन, स्वच्छता, कानून के सम्मान और राष्ट्रहित में योगदान देने की प्रेरणा देते हैं।

कुटुंब प्रबोधन को विशेष महत्व देते हुए उन्होंने कहा कि परिवार भारतीय संस्कृति की मूल इकाई है। आज परिवार लगातार छोटे होते जा रहे हैं और संयुक्त परिवारों की परंपरा कमजोर पड़ रही है। परिवार के सदस्यों के बीच संवाद, आत्मीयता और संस्कारों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि परिवार मजबूत होगा तो समाज मजबूत होगा और समाज मजबूत होगा तो राष्ट्र भी सशक्त बनेगा।

प्रो. रांगड़ा ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कार्यपद्धति आज विश्वभर में अध्ययन और शोध का विषय बन चुकी है। विदेशों से शोधकर्ता और अध्ययन दल भारत आकर संघ की शाखाओं, स्वयंसेवकों की दिनचर्या, अनुशासन, संगठनात्मक व्यवस्था तथा सामाजिक सेवा के कार्यों का अध्ययन करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे अध्ययन दल अपने देशों में आत्मोपतता एवं समानता स्थापित करना है। प्रणाली विकसित करने की आवश्यकता पर भी विचार व्यक्त करते हैं।

कजलोट के 28 परिवारों को शीघ्र भूमि पट्टे प्रदान करेंगे मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू: केवल सिंह पटानिया

धर्मशाला: उपमुख्य सचेतक एवं शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक केवल सिंह पटानिया ने कहा कि कजलोट गांव के 28 परिवारों को शीघ्र ही मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू भूमि पट्टे प्रदान करेंगे। वह आज महर्षि वाल्मीकि जयंती के उपलक्ष्य में कजलोट में आयोजित कार्यक्रम में जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

केवल सिंह पटानिया ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि भारतीय संस्कृति, साहित्य एवं आध्यात्मिक परंपरा के महान प्रकाश स्तंभ हैं। उनकी शिक्षाएं आज भी मानवता को सत्य, न्याय, करुणा और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने कहा कि लोभतांत्रिक व्यवस्था में जनसेवा का संकल्प लेकर कार्य करने वाले प्रत्येक जनप्रतिनिधि के लिए महर्षि वाल्मीकि के आदर्श अत्यंत प्रासंगिक हैं। जनप्रतिनिधियों का दायित्व केवल नीतियां बनाना ही नहीं, बल्कि समाज के अंतितम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक न्याय, सम्मान और विकास के लाभ पहुंचाना भी है।

इस अवसर पर कजलोट से मैक्लोडगंज तक महर्षि वाल्मीकि की भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसकी अगुवाई केवल सिंह पटानिया ने की। उन्होंने आयोजन समिति को 11 हजार रुपये की नकद राशि भेंट की तथा कजलोट गांव के विभिन्न स्थानों पर पांच सोलर लाइटें स्थापित करने की घोषणा भी की।



हिमाचल

मूल्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों राज्यों की परंपराएं आपसी सहयोग, जनकल्याण और सामूहिक प्रयासों की भावना को सुदृढ़ करती हैं।

राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि महाराजा अग्रसेन जी की महान विरासत आने वाली पीढ़ियों को सेवा, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र निर्माण के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए निरंतर प्रेरित करती रहेगी।

इस अवसर पर राज्यसभा के पूर्व सांसद डॉ. सुभाष चंद्रा भी उपस्थित रहे। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शों की महत्ता तथा सामाजिक कल्याण, सामुदायिक सहयोग और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में उनकी आज भी प्रासंगिकता पर अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के मंत्री विपुल गोयल, पंजाब सरकार के मंत्री वीरेंद्र गोयल, महाब्रह्मर्षि कुमार

स्वामी जी, गायक एवं अभिनेता मासूम शर्मा, भजन गायिका अंजलि द्विवेदी, अग्रोहा धाम के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग, राष्ट्रीय महासचिव गजानन गुप्ता तथा राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष पवन गर्ग सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

हिमाचल के आर्यन हरनोट सन टीवी नेटवर्क के सन नियो चैनल के नए शो ‘जान-ए-वफ़ा’ में निभाएंगे नवाज का किरदार, भूमिका में दिखेगा अभिनय का नया अंदाज़।

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। हिमाचल प्रदेश से ताल्लुक रखने वाले अभिनेता आर्यन हरनोट जल्द ही सन टीवी के प्रसिद्ध सन नियो चैनल के आगामी शो ‘जान-ए-वफ़ा’ में एक नए और दिलचस्प किरदार में नजर आएंगे। जेन के प्रोडक्शन के बैनर तले बन रहे इस शो की निर्माता गुल खान हैं, जबकि इसका निर्देशन श्रवण कुमार रॉय करेंगे। आर्यन इससे पहले इसी प्रोडक्शन के चर्चित शो ‘साजन घर’ में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं। दंगल चैनल पर प्रसारित हुए इस शो के दर्शकों का अच्छा प्रतिसाद मिला था।

अपने नए शो और किरदार को लेकर आर्यन हरनोट खासे उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि ‘जान-ए-वफ़ा’ मुस्लिम के पृष्ठभूमि पर आधारित कहानी है, जिसमें वह पहली बार एक मुस्लिम किरदार निभाने जा रहे हैं। उनके किरदार का नाम नवाज है। आर्यन के मुताबिक, किसी भी अभिनेता के लिए अलग-अलग पृष्ठ भूमियों और व्यक्तित्वों वाले किरदार निभाना एक चुनौतीपूर्ण और सीखने वाला अनुभव होता है। वह इस नए अवसर को लेकर उत्साहित हैं और इसे अपने अभिनय स्फ़र का एक महत्वपूर्ण पड़ाव मानते हैं। उनका कहना है कि मुंबई की टेलीविजन



इंडस्ट्री में उन्हें विविधतापूर्ण किरदार निभाने के अवसर मिले हैं, जिसके लिए वह स्व. को भाग्यशाली मानते हैं। टेलीविजन की दुनिया में आर्यन हरनोट इससे पहले भी अपनी अभिनय प्रतिभा का परिचय दे चुके हैं। वह ‘दीया और बाती हम’, ‘कामना’, ‘तुम देना साथ मेरा’, ‘ख्वाबों के दरमियान’ और ‘बड़ी हवेली की छोटी ठाकुराइन’ जैसे कई धारावाहिकों में काम कर चुके हैं। इन परियोजनाओं के माध्यम से उन्होंने मनोरंजन जगत में अपनी पहचान बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किया है। अभिनय के साथ-साथ आर्यन फ़िल्म निर्माण के क्षेत्र में भी सक्रिय हैं। वह अब तक दो शॉर्ट फिल्मों का निर्माण कर चुके हैं, जिन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर 20 से अधिक पुरस्कार मिल चुके हैं।

एकीकृत ई-गवर्नैस पहलों से डिजिटल सुशासन की दिशा में अग्रसर हिमाचल प्रदेश सरकार

हिन्द जनपथ

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू के दूरदर्शी नेतृत्व में प्रदेश सरकार प्रशासन को अधिक पारदर्शी, दक्ष, जवाबदेह और नागरिक-केंद्रित बनाने के उद्देश्य से डिजिटल सुशासन को निरंतर बढ़ावा दे रही है। प्रौद्योगिकी के माध्यम से प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने, विभिन्न विभागों के बीच समन्वय सुदृढ़ करने और जनसेवाओं की उपलब्धता को सुगम बनाने की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। भौगोलिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण पर्वतीय प्रदेश हिमाचल में डिजिटल माध्यमों का विस्तार विशेष महत्व रखता है, क्योंकि इससे दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक सरकारी सेवाओं की पहुंच बेहतर बनाने में सहायता मिलती है।

प्रदेश में डिजिटल प्रशासन को सुदृढ़ करने के लिए सरकारी कामकाज को

प्रक्रियाओं को ऑनलाइन स्वरूप प्रदान किया जा रहा है। इसी दिशा में वार्षिक कार्य निष्पादन मूल्यांकन रिपोर्ट (एपीएआर) पोर्टल सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के मूल्यांकन की प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस पोर्टल के माध्यम से मूल्यांकन, समीक्षा और स्वीकृति की प्रक्रिया ऑनलाइन सम्पन्न की जा सकती है। वार्षिक कार्य योजनाओं तथा निर्धारित लक्ष्यों को इससे जोड़ने के कारण कार्य निष्पादन की निगरानी और अधिकारियों की जवाबदेही तय करने में भी सहायता मिलती है। इसके साथ ही बैठक प्रबंधन प्रणाली ने बैठकों के आयोजन, सूचना जारी करने, कार्यवाई दर्ज करने और निष्णों के अनुपालन की निगरानी को डिजिटल स्वरूप प्रदान किया है।

ऑटोमेटेड रिमाइंडर, कार्य आवंटन

आगामी पांच वर्षों में पर्यटन क्षेत्र में 15,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी प्रदेश सरकार: मुख्यमंत्री



उन्हें ट्रॉफियां प्रदान की। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांगड़ा हवाई अड्डे के विस्तार के लिए भूमि अधिग्रहण पर 3,000 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, राज्य सरकार प्रदेश में हवाई सेवाओं के संचालन को प्रोत्साहित करने के लिए व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (वीजीएफ) के तहत

आवागमन में अधिक सुविधा मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांगड़ा हवाई अड्डे के विस्तार से बड़े विमानों का संचालन संभव हो सकेगा। इससे प्रदेश में पर्यटकों की आमद बढ़ेगी और हिमाचल प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों को और अधिक प्रोत्साहन मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने सतत पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार की पहलों को रेखांकित करते हुए कहा कि प्रदेश में 60 ईको-टूरिज्म साइट्स को लीज पर दिया गया है, जिससे राज्य के राजस्व में 22 करोड़ रुपये की आय हुई है।

उन्होंने नालदेहरा गोल्फ कोर्स की सराहना करते हुए इसे प्रदेश के सबसे मनोरम गोल्फ स्थलों में से एक बताया। उन्होंने गोल्फ कोर्स के विकास का श्रेय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह को दिया।

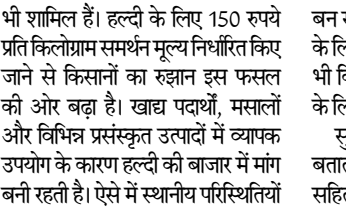
हल्दी की खेती से किसानों को बेहतर आमदनी, फसल विविधीकरण से बढ़ रही आय की संभावनाएं

हिमाचल सरकार का

प्रोत्साहन: हल्दी पर 150 रुपये प्रति किलो समर्थन मूल्य

कृषि में फसल विविधीकरण का महत्व लगातार बढ़ रहा है। एक ही फसल पर निर्भर रहने के बजाय विभिन्न फसलों की खेती अपनाकर किसान अपनी कृषि व्यवस्था को अधिक मजबूत और लाभकारी बना सकते हैं। आलावा पशुओं और अन्य जंगली जानवरों के कारण पारंपरिक फसलों को होने वाला नुकसान किसानों की मेहनत और आमदनी, दोनों को प्रभावित करता है। ऐसे में किसान अब उन फसलों की ओर रुख कर रहे हैं, जिन्हें नुकसान का जोखिम अपेक्षाकृत कम हो और बाजार में अच्छी कीमत मिलने की संभावना भी बनी रहे। कांगड़ा जिले के बैजनाथ उपखंडल के सुनपुर गांव में हल्दी की खेती इसी बदलाव की एक सकारात्मक मिसाल बनकर उभर रही है।

हिमाचल प्रदेश सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और किसानों की आय को सुरक्षित करने के उद्देश्य से प्राकृतिक खेती से उत्पादित विभिन्न फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य उपलब्ध करवा रही है। इनमें गेहूं, मक्का, जौ और हल्दी



के अनुरूप इसकी खेती किसानों को आय के अतिरिक्त स्रोत विकसित करने का अवसर प्रदान कर सकती है।

बैजनाथ के सुनपुर गांव की किसान प्रवीण कुमारी और सुजाता देवी हल्दी की खेती को बेहतर विकल्प के रूप में देख रही हैं। उनका मानना ​​है कि मौजूदा परिस्थितियों में हल्दी की खेती किसानों के लिए अतिरिक्त आमदनी का माध्यम

भी शामिल हैं। हल्दी के लिए 150 रुपये प्रति किलोग्राम समर्थन मूल्य निर्धारित किए जाने से किसानों का ख़ान इस फसल की ओर बढ़ा है। खाद्य पदार्थों, मसालों और विभिन्न प्रसंस्कृत उत्पादों में व्यापक उपयोग के कारण हल्दी की बाजार में मांग बनी रहती है। ऐसे में स्थानीय परिस्थितियों

बन सकती है। सरकार की ओर से हल्दी के लिए बेहतर समर्थन मूल्य दिए जाने से भी किसानों को इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन मिल रहा है। सुनपुर गांव की किसान प्रवीण कुमारी बताती हैं कि उनके खेतों में धान, मक्की सहित विभिन्न फसलों की खेती की जाती है। इस बार उन्होंने पारंपरिक फसलों के साथ हल्दी की खेती भी की है। उनके अनुसार, हल्दी की फसल को तैयार होने में लगभग एक वर्ष का समय लगता है और बाजार में इसकी अच्छी मांग है।

हल्दी की खेती अपनाकर किसान अपनी फसल विविधता बढ़ा सकते हैं और आमदनी के नए अवसर तलाश कर सकते हैं। प्रवीण कुमारी के अनुसार, हल्दी की खेती की प्रति किसानों की रुचि बढ़ने का एक प्रमुख कारण हिमाचल सरकार द्वारा इसकी कीमत में की गई वृद्धि भी है। पहले हल्दी की कीमत लगभग 90 रुपये प्रति किलोग्राम थी, जबकि अब इसका समर्थन मूल्य करीब 150 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया है। इससे किसानों को बेहतर आमदनी की उम्मीद जगी है।

कैलाश फेडरेशन के चेयरमैन बलदेव ठाकुर ने कर्मचारियों का 5 प्रतिशत महंगाई भत्ता बढ़ाने पर मुख्यमंत्री का जताया आभार

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। कैलाश फेडरेशन के चेयरमैन बलदेव ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू द्वारा प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों एवं पेंशनरों को 5 प्रतिशत महंगाई भत्ता (DA) देने की घोषणा का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का यह निर्णय लाखों कर्मचारियों और पेंशनरों को आर्थिक राहत प्रदान करने वाला है। महंगाई के इस दौर में महंगाई भत्ते में वृद्धि से कर्मचारियों को अपने परिवारों की आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलेगी और उनके आर्थिक हितों को मजबूती मिलेगी।

बलदेव ठाकुर ने कहा कि प्रदेश के कर्मचारी सरकार की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने और विकास योजनाओं को धरातल पर लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, प्रशासन, ग्रामीण विकास तथा अन्य विभागों में कार्यरत कर्मचारी प्रदेश की प्रगति के मजबूत स्तंभ हैं। कर्मचारियों की मेहनत, ईमानदारी और समर्पण के कारण ही सरकारी योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंचता है। इसलिए कर्मचारियों के हितों की रक्षा करना और उनकी जनता भागीों पर सकारात्मक निर्णय लेना किसी भी संवेदनशील सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा महंगाई भत्ते में कुल 5 प्रतिशत वृद्धि का निर्णय कर्मचारियों के प्रति सरकार की सकारात्मक सोच को दर्शाता है। घोषित वृद्धि के बाद महंगाई भत्ता 45 प्रतिशत से बढ़कर 50 प्रतिशत हो जाएगा। सरकार की घोषणा है, अनुसार, बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता अक्टूबर माह के वेतन के साथ नवंबर में दिए जाने का प्रावधान है। इससे कर्मचारियों को त्योहारों के समय आर्थिक संबल मिलेगा।



हिन्द जनपथ

लाहौल-स्पीति। प्रदेश प्रभारी एवं मथुरा सेविधायक श्रीकांत शर्मा ने हिमाचल प्रदेश का कांग्रेस सरकार पर लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका की घोर उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार का लाहौल-स्पीति की जनता के वोट तो चाहिए, लेकिन यहां के लोगों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाने की कोई चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि सर्दियों और बर्फबारी का मौसम नजदीक है, लेकिन दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं और संपर्क मार्गों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

श्रीकांत शर्मा ने उदयपुर मंडल के अंतर्गत जिलोकीनाथ क्षेत्र में स्थानीय लोगों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं से संवाद के दौरान कहा कि जालपा पंचायत सहित आसपास के क्षेत्रों से सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में सामान्य जुकाम तक की आवश्यक दवाइयां उपलब्ध नहीं होने की शिकायतें सामने आई हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में सामान्य बीमारियों की दवाइयां तक उपलब्ध नहीं हैं, तो बर्फबारी के दौरान गंभीर रूप से बीमार लोगों का उपचार कैसे होगा ?



उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में सर्दियों के दौरान अनेक गांवों का संपर्क प्रभावित होता है। ऐसे में सरकार की पहली जिम्मेदारी स्वास्थ्य सेवाओं में पर्याप्त दवाइयां, चिकित्सकीय सुविधाएं और आपातकालीन सेवाएं सुनिश्चित करना है। लेकिन कांग्रेस सरकार की प्राथमिकताओं में इन क्षेत्रों की जनता कहीं दिखाई नहीं देती। संपर्क मार्गों की बदहाल स्थिति पर सरकार को घेरते हुए श्रीकांत शर्मा ने कहा कि मैयाड़ घाटी और चोखांग मार्ग सहित अनेक लंबी ग्रामीण सड़कों की स्थिति अत्यंत खराब होने की शिकायतें मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के अधीन

न्यूज़ डायरी

पंजाब के राज्यपाल द्वारा लोगों को महर्षि वाल्मीकि जयंती की बधाई

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के राज्यपाल एवं केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने महर्षि वाल्मीकि जयंती के पावन अवसर पर पंजाब और चंडीगढ़ के लोगों को हार्दिक बधाई दी है।

महर्षि वाल्मीकि जी को महान ऋषि एवं कवि बताते हुए राज्यपाल ने कहा कि उन्होंने अपने महान कार्यों के माध्यम से शांति और सदाचार जैसे मूल्य बताए, जो आज भी समाज के लिए प्रासंगिक हैं। राज्यपाल ने यह भी कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी द्वारा रचित पवित्र महाकाव्य रामायण आदर्श एवं सदाचारी जीवन, सार्वभौमिक मानवतावाद और मानव जाति को एकता का मार्ग प्रशस्त करता है।

उन्होंने कहा कि समाज सुधारक और समाज के वंचित वर्ग के मसीहा के रूप में सामाजिक न्याय, समानता और शोषित वर्गों के कल्याण की अवधारणा पर जोर देने में महर्षि वाल्मीकि जी के अद्वितीय योगदान को हमेशा याद किया जाएगा।

उन्होंने लोगों से अपने जीवन में महर्षि वाल्मीकि जी की शिक्षाओं को अपनाने और सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के लिए खड़े होने की अपील की।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंचकूला में सुना ‘मन की बात’ कार्यक्रम का 139वां संस्करण

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज पंचकूला में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम ‘मन की बात’ के 139वें संस्करण का ऑनलाइन माध्यम से सीधा प्रसारण देखा। इस अवसर पर सेक्टर-10 स्थित सामुदायिक केंद्र में कार्यक्रम के प्रसारण के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। मुख्यमंत्री ने यहां उपस्थित जनप्रतिनिधियों, पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों के साथ कार्यक्रम को देखा और सुना।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ‘मन की बात’ कार्यक्रम के माध्यम से देशवासियों के साथ संवाद करते हैं। इस कार्यक्रम में वे प्रेरणादायक कहानियां, नवोन्मेपी विचारों और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने वाली पहलों को साझा करते हैं। यह कार्यक्रम देश के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे लोगों और संस्थाओं के प्रयासों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ-साथ नागरिकों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करता है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के ओएसडी डॉ. राज नेहरू, उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री अजय मित्तल, हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद गुप्ता, हरियाणा राज्य फार्मेसी काउंसिल के चेयरमैन श्री बीबी सिंचल, हरियाणा शिवालिक विकास बोर्ड के कार्यकारी उपाध्यक्ष श्री ओमप्रकाश देवीनगर, वार्ड नंबर-4 के पार्षद श्री भारत हितेषी, मंडल अध्यक्ष श्री प्रमोद वत्स, मीडिया संपर्क प्रमुख श्री प्रवीण अत्रे, मीडिया प्रभारी के चंदन, बृथ अध्यक्ष रयाम लाल वर्मा, राजेश शर्मा, अति विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित लेफ्टिनेंट जनरल (रि.) एस के कौशल, सनातन धर्म मंदिर प्रधान के सी जिविल, मार्केट प्रधान अमन गंभीर, कंज्यूमर एसोसिएशन प्रधान राकेश कपूर सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

हास्यव्यंग्य संग्रह 'आधी इज्जत पूरी बेइज्जती' का हुआ लोकार्पण और चर्चा

चण्डीगढ़ : कहानीकार, व्यंग्यकार अश्वनी मल्होत्रा 'भीम' की हास्य व्यंग्य पुस्तक 'आधी इज्जत पूरी बेइज्जती' का आज लोकार्पण और चर्चा समारोह चण्डीगढ़ प्रैस क्लब, सेक्टर 27 में श्रोताओं के हंसी ठहाकों और तालियों की गड़गड़ाहट में किया गया। वरिष्ठ कवि व रंगकमी विजय कपूर ने मंच का संचालन अपने अनोखे अंदाज में किया। कार्यक्रम का आरम्भ पुस्तक पर पर्चा पढ़ने वालों प्रेम विज, तवनीत बख्शी, अनुरानी शर्मा और विजय कपूर को शाल दे कर सम्मानित कर किया गया।

लोकार्पण के परश्चात

पुस्तक पर विचार प्रस्तुत करते हुए कवयित्री और समालोचक अन्नूरानी शर्मा ने फल- रसोई से लेकर रूस-यूक्रेन युद्ध और अंतरराष्ट्रीय राजनीति तक के कहानों को समेटे यह संग्रह आधुनिक जीवन की हर विसंगति को बेनकाब करता है। हरिशंकर परसाई के वैचारिक अंदाज को आत्मसात करते हुए यह कृति श्रेष्ठ व्यंग्यकारों की परंपरा को जीवंत करती है ।

उसके परश्चात कवि, कहानीकार नवनीत बख्शी ने कहा - मेरे लिए व्यंग्य की असली पहचान यही है—पढ़ते हुए पहले किसी और की शक्ति दिखाई दे और थोड़ी देर बाद अपनी भी दिखने लगे। भीम जी की कई रचनाएँ ऐसा मौका देती हैं। ‘हमारा जन्मसिद्ध अधिकार’ में वे बिना माँग सलाह देने वालों की खबर लेते हैं।

त्रिवेणी संगीत सभा के द्वारा आयोजित संगीत कार्यक्रम में रागिनी शंकर के वायलिन वादन ने मोहा शास्त्रीय संगीत प्रेमियों का दिल

चण्डीगढ़ : त्रिवेणी संगीत सभा द्वारा आज शाम सेक्टर 16 ए स्थित 'श्रृंगार' में एक भव्य और स्मरणीय संगीत संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश की जानी-मानी और प्रतिभाशाली वायलिन वादिका रागिनी शंकर के शानदार हिंदुस्तानी शास्त्रीय वायलिन वादन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में तबले पर प्रख्यात वादक अभिषेक मिश्रा ने संगित की, जिनकी थाप और जुगलबंदी ने प्रस्तुति में चार चांद लगा दिए।

वाराणसी में जन्मी और संगीत के प्रतिष्ठित घराने से ताल्लुक रखने वाली रागिनी शंकर, महान पद्मभूषण डॉ. एन. राजम की पोती और प्रख्यात वायलिन वादिका डॉ. संगीता शंकर की पुत्री हैं।

HPNLU ने कानून और अर्थशास्त्र पर 12वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICLE-2026) का समापन किया

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। हिमाचल प्रदेश नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (HPNLU), शिमला ने 'लॉ एंड इकोनॉमिक्स ट्रस्ट' के सहयोग से, 'एक बेहतर समाज के लिए सकारात्मक बाह्य प्रभाव' (Positive Externalities for a Better Society) सिंघप पर केंद्रित कानून और अर्थशास्त्र पर 12वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICLE-2026) का समापन किया। समापन सत्र के साथ ही दो दिनों तक चली शैक्षणिक चर्चाओं, शोध प्रस्तुतियों और समकालीन सामाजिक चुनौतियों से निपटने में कानून और अर्थशास्त्र की भूमिका पर हुई अंतर-विषयक चर्चाओं का समापन हुआ।

समापन सत्र से पहले, सम्मेलन की चर्चाओंके हिस्से के रूप में, सर्जनों द्वारा की जाने वाली सज्जित प्रक्रियाओं में 'सोशल कैपिटल' (सामाजिक पूंजी) पर आधारित चर्चाओं पर एक पैनेल चर्चा आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता डॉ. श्रीनिवास थाटी ने की और इसमें डॉ. आराधना सिंह, डॉ. अरुण गुप्ता, प्रो. मुरली प्रसाद पांडा और प्रो. प्रवीण कुलश्रेष्ठ शामिल हुए। डॉ. थाटी ने सोशल कैपिटल, मरीजों के भरोसे, नैतिक चिकित्सा पद्धति, बहु-विषयक टीम वर्क और मानकीकृत सज्जित अर्थशास्त्र के महत्व पर जोर दिया। डॉ. आराधना सिंह ने सज्जिकल सुरक्षा, सूचित



सहमति (informed consent), टीम समन्वय, सिमुलेशन-आधारित प्रशिक्षण और मरीजों तथा सर्जनों दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर चर्चा की। डॉ. अरुण गुप्ता ने सज्जिकल प्रैक्टिस में पारदर्शिता और मरीजों को उपचार के विकल्पों तथा उनसे जुड़े जोखिमों के बारे में जानकारी देने के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. थाटी ने ऑर्थोपेडिक बुनियादी ढांचे, NABH दिशानिर्देशों, ट्रोमा केयर और चिकित्सा पद्धति के मानकों पर भी बात की। प्रो. मुरली प्रसाद पांडा ने 'क्रोडैस सर्विसेज' (भरोसे पर आधारित सेवाएं), संसाधनों की दक्षता और वितरणात्मक न्याय (distributive justice) की अवधारणाओं के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता का विश्लेषण किया, जबकि प्रो. प्रवीण कुलश्रेष्ठ ने सज्जिकल नैतिकता, पेशेवर आचरण, निष्पक्षक ढांचे और हितधारकों के सहयोग पर चर्चा की।

चंडीगढ़/हरियाणा/पंजाब/हिमाचल

पंजाब के किसानों को गेहूँ के प्रमाणित बीजों पर दी जायेगी 50 प्रतिशत सब्सिडी: गुरमीत सिंह खुड़ियां

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। उच्च गुणवत्ता वाले बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और राज्य के किसानों पर वित्तीय बोझ कम करने के उद्देश्य से पंजाब के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री स. गुरमीत सिंह खुड़ियां ने आज 50 करोड़ रुपये की सहायता योजना की घोषणा की। इस योजना के तहत किसानों को पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू) और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा अनुशंसित गेहूँ के प्रमाणित बीज आभी कीमत पर उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके तहत अधिकतम 2,000 रुपये प्रति हेक्टेयर की सहायता दी जाएगी।

इस पहल के बारे में जानकारी देते हुए स.गुरमीत सिंह खुड़ियां ने बताया कि योजना के तहत 4,250 रुपये प्रति किंटल कीमत वाले गेहूँ के प्रमाणित बीज किसानों को 2,250 रुपये प्रति किंटल की दर से उपलब्ध कराए जाएंगे। बीज खरीदते समय ही 2,000 रुपये प्रति किंटल की सब्सिडी घटा दी जाएगी। यह सब्सिडी कुल लागत के 50 प्रतिशत या 2,000 रुपये प्रति हेक्टेयर, जो भी कम हो, तक सीमित होगी। इसका मुख्य उद्देश्य किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराने के साथ-साथ अगले सीजन के लिए बीज तैयार करने में मदद करना



है।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने 2,42,218 लाभार्थियों को योजना के दायरे में लाने के लिए जिला-वार आवश्यकता का आकलन किया है। इसके लिए कुल 50 करोड़ रुपये की वित्तीय राशि प्रस्तावित की गई है। प्रत्येक लाभार्थी को अधिकतम 2,000 रुपये की सहायता दी जाएगी। उन्होंने बताया कि यह योजना कृषि उन्नति योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन (एनएफएसएनएम) के बीज घटक के तहत लागू की जा रही है।

आवेदन प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते हुए

दक्षिण कोरियाई पुरुष हॉकी टीम का मोहाली हवाई अड्डे पर ढोल, भांगड़ा और फुलकारियों के साथ गर्मजोशी से स्वागत

हिन्द जनपथ

एसएसए नगर (मोहाली)(ब्यूरो)। दक्षिण कोरियाई पुरुष हॉकी टीम का साहिबजादा अजीत सिंह नगर (मोहाली) स्थित शाहीद भगत सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने पर शानदार पंजाबी अंदाज में स्वागत किया गया। इसके साथ ही एशियन चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट-2026 में भाग लेने वाली सभी छह टीमें पंजाब पहुंच गई हैं। इस अवसर पर खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ का स्वागत ढोल की थाप, स्थानीय कलाकारों द्वारा भांगड़े की मनमोहक प्रस्तुतियों और रंग-बिरंगी फुलकारियों के साथ किया गया। इससे उन्हें पंजाब की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और खुले दिल से मेहमानों का स्वागत करने की परंपरा की झलक देखने को मिली।

उल्लेखनीय है कि 27 अक्टूबर से 5 नवंबर, 2026 तक जालंधर के ओलंपियन स्पोर्ट्स जॉकी स्टेडियम और



मोहाली के ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में आयोजित होने वाला यह टूर्नामेंट एशिया की शीर्ष हॉकी टीमों के बीच रोमांचक मुकाबलों का गवाह बनने जा रहा है। मुख्यमंत्री भावर्त सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने टूर्नामेंट में भाग लेने वाले सभी देशों की टीमों के लिए विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे, सुचारू लॉजिस्टिक्स और गर्मजोशी भरे आतिथ्य को सुनिश्चित करने के लिए पुख्ता प्रबंध किए हैं।

दक्षिण कोरियाई दल 20 सदस्यीय

ज्ञान और सूचना के द्वंद्व से जूझ रहा है समाज : डॉ. सच्चिदानंद जोशी

चण्डीगढ़ : पंचनद शोध संस्थान के 33वें वार्षिक व्याख्यान में ज्ञान औरसूचना के बीच बढ़ते अंतर, नागरिक दायित्वों, राष्ट्रबोध और समकालीन सामाजिक चुनौतियों पर गहन विमर्श हुआ।रविवार को चंडीगढ़ के सेक्टर-26 स्थित राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (निट्टर) में आयोजित इस व्याख्यान का विषय 'हम भारत के लोग : हमारे दायित्व' रहा। मुख्य वक्ता नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने कहा कि आज समाज ज्ञान और सूचना के द्वंद्व से जूझ रहा है। नई तकनीक ने जहां संभावनाओं के नए द्वार खोले हैं, वहीं समाज के सामने कई गंभीर चुनौतियां भी खड़ी की हैं। ऐसे समय में बौद्धिक वर्ग का दायित्व है कि वह समाज को उचित दिशा दिखाए और नागरिकों में अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूकता पैदा करे। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने कहा कि भारतीय जनमानस में देशभक्ति की भावना सहज और स्वाभाविक रूप से विद्यमान है। राष्ट्रगान की धुन सुनते ही और राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को देखते ही मन गँव और गौरव से भर उठता है। पौराणिक साहित्य से लेकर वर्तमान युवा पीढ़ी तक राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना भारतीय समाज की विशिष्ट पहचान रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र सवोपार है, जबकि राज्य एक व्यवस्था मात्र है। लोकतंत्र की मजबूती केवल संवैधानिक संस्थाओं और शासन व्यवस्था पर निर्भर नहीं करती, बल्कि इसके लिए नागरिकों की जागरूकता, सामाजिक सहभागिता, जिम्मेदारी और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध भी उतने ही आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि जनसंख्या असंतुलन आज एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आया है। समाज को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हुए समकालीन चुनौतियों का समाधान तलाशना होगा। उन्होंने सात सी के सूत्र का उल्लेख करते हुए संस्कृति, सभ्यता, चरित्र, संतोष, चेतना और करुणा जैसे मूल्यों को जीवन में अपनाने पर बल दिया।

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब सरकार ने सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि मुख्यमंत्री स भवर्त सिंह मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार द्वारा विधवा एवं निराश्रित महिला वित्तीय सहायता योजना के तहत अब तक करीब 729 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है। इस योजना का लाभ करीब 7 लाख पात्र महिलाओं को मिल रहा है।

डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता प्रदान करना नहीं, बल्कि ऐसी महिलाओं को सम्मान, सुरक्षा और आत्मविश्वास के साथ जीवन व्यतीत करने के लिए मजबूत सहारा प्रदान करना है। उन्होंने जौन के प्रत्येक महिला को मान-सम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार है और पंजाब सरकार इस दिशा में लगातार प्रयासरत है।

मंत्री ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा चालू वित्त वर्ष के दौरान इस योजना के लिए करीब 1300 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। जो मुख्यमंत्री भगवर्त सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार की महिलाओं



और कमजोर वर्गों के कल्याण के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

योजना के पात्रता मानदंडों के बारे में जानकारी देते हुए डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि 58 वर्ष से कम आयु की विधवा एवं निराश्रित महिलाएं तथा 30 वर्ष या इससे अधिक आयु की अविवाहित महिलाएं इस योजना का लाभ उठा सकती हैं। इसके लिए आवेदक का पंजाब का निवासी होना और परिवार की वार्षिक

आईटीबीपी के पूर्व सैनिक फोर्स की अनदेखी से खफा

चण्डीगढ़ : भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल (आईटीबीपी) के पूर्व अधिकारी तथा जवान अपनी फ़ोर्स के लापरवाही भरे रवैये से बुरी तरह खफा हैं।

ट्रांसपोर्ट बटालियन में आयोजित आल इंडिया एक्स आईटीबीपी वेलफेयर एसोसिएशन की वार्षिक आमसभा में बोलते हुए संघटन के अध्यक्ष एमएस भुज्जी ने बताया कि पूर्व सैनिकों की समस्याओं को हल तो क्या करना बल के शीर्ष अधिकारी उन्हें भेजे गये पत्रों की प्राप्ति की सूचना तक देने की जहमत नहीं उठाते।

उन्होंने बताया कि बटालियन के वेलफेयर फंड में हर महीने कर्मचारी की कुछ राशि जमा होती है।पूरी नौकरी के दौरान हर सैनिक का उसमें लाखों रुपया जमा हो जाता है।हम मांग कर रहे हैं कि यह कर्मचारियों का ही पैसा है अतः रिटायर कर्मचारियों के लिए इसमें से कुछ राशि का एक कॉर्पस बनाकर उसे उनके कल्याण पर खर्च किया जाए लेकिन इसपर अभी तक कोई गौ नहीं किया गया है।एसोसिएशन की अन्य मांगों पर भी बल के शीर्ष नेतृत्व का रवैया इसी तरह का है।

उन्होंने कहा कि बीएसएफ,सी आरपीएफ आदि केंद्रीय पुलिस बलों में पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए ज्यादा अच्छा काम हो रहा है।उन्होंने जोर देकर कहा कि जब जरूरत हो तो विभाग को पूर्व सैनिकों के पीछे खड़ा मिलना चाहिये।

एसोसिएशन की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 100 से अधिक पेंशन केस का निपटारा अभी तक करवाया जा चुका।पूर्व सैनिकों की विधवाओं तथा उनके वित्तांगण बच्चों के केसों का भी निपटारा करवाया गया है। 8 साल पहले अस्तित्व में आया यह संघटन भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल के पूर्व सैनिकों का एकमात्र राष्ट्रीय संघटन है।संघटन ने पूर्व सैनिकों को इकट्ठा करने के लिए देशभर में अनेक स्थानों पर रैलियां की हैं।

‘गैंगस्टरां ते वार’ अभियान का 278वां दिन: पंजाब पुलिस द्वारा 525 स्थानों पर छापेमारी; 209 गिरफ्तार

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। ‘गैंगस्टरां ते वार’ अभियान के 278वें दिन पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के साथियों के पहचाने गए और मैप किए गए 525 ठिकानों पर छापेमारी की।

उल्लेखनीय है कि पंजाब को गैंगस्टर-मुक्त राज्य बनाने के लिए शुरू किए गए इस निर्णायक अभियान - ‘गैंगस्टरां ते वार’ की शुरुआत पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव द्वारा 20 जनवरी, 2026 को की गई थी। राज्य भर में बिभिन्न जिलों की पुलिस टीमें, ‘एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स’ पंजाब के समन्वय के साथ विशेष अभियान चला रही हैं।

अभियान के 278वें दिन पुलिस टीमों ने 209 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और उनके पास से एक हथियार बरामद किया। इसके साथ अभियान की शुरुआत से अब तक गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की कुल संख्या 80,667 हो गई है। इसके अतिरिक्त 181 व्यक्तियों के विरुद्ध एहतियातन कार्रवाई की गई है। पुलिस टीमों ने इस अभियान के दौरान आठ परार अपराधियों को भी गिरफ्तार किया है। आम लोग, ‘एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन’ नंबर 93946-93946 के द्वारा वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में गुप्त रूप से जानकारी दे सकते हैं और अपराधों या अपराधिक गतिविधियों के बारे में सुराग भी दिया जा सकता है। इस दौरान, पुलिस टीमों ने नशों के विरुद्ध आना अभियान ‘युद्ध नशेया विरुद्ध’ 603वें दिन भी जारी रखा। आज 152 नशा तस्करी को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से 11.7 किलो हेरोइन, 1028 नशीली गोलियां और 5200 रुपये की ड्रा मनी बरामद की गई। इसके साथ ही केवल 603 दिनों में गिरफ्तार किए गए नशा तस्करी की कुल संख्या 88,086 तक पहुंच गई है। नशा मुक्ति अभियान के तहत पंजाब पुलिस ने आज 29 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वस उपचार करवाने के लिए राजी किया है।

आय 60,000 रुपये या इससे कम होना अनिवार्य है।

उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि कोई भी पात्र महिला सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। इसके लिए विभाग द्वारा जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं और जमीनी स्तर पर योजनाओं की पहुंच को और मजबूत किया जा रहा है।

डॉ. बलजीत कौर ने सामाजिक सुरक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र लाभार्थियों की पहचान करके उन्हें योजना का लाभ पहुंचाया जाए, आवेदनों का निपटारा पारदर्शी तरीके से और समय पर किया जाए तथा विशेष रूप से ग्रामीण एवं दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं को इस योजना के बारे में जानकारी दी जाए।

मंत्री ने पंचायतों, निवाचित प्रतिनिधियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सामाजिक संस्थाओं से अपील की कि वे अपने क्षेत्रों की पात्र महिलाओं को इस योजना से जोड़ने में सहयोग करें, ताकि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़ी महिला तक पहुंच सके।

HPNLU ने कानून और अर्थशास्त्र पर 12वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICLE-2026) का समापन किया

विकास गुरम मंडी के वेंडरों ने किया पूर्व डिप्टी मेयर अनिल कुमार दुबे का अभिनंदन एवं आभार व्यक्त



चण्डीगढ़ : आज विकास नगर कार्यालय में अटल हिंद रेहड़ी-फड्डी एसोसिएशन, विकास नगर मंडी के सदस्यों द्वारा भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व डिप्टी मेयर अनिल कुमार दुबे का धन्यवाद एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर एसोसिएशन के सदस्यों ने चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी एवं पूर्व डिप्टी मेयर अनिल कुमार दुबे का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि बहुत जल्द विकास नगर की सब्जी मंडी के वेंडरों को स्थायी स्थान उपलब्ध होगा, जहाँ वे सम्मानपूर्वक अपना रोजगार कर सकेंगे। एसोसिएशन के सदस्यों ने गरीबों, मेहनतकश लोगों और छोटे कारोबारियों के अधिकारों के लिए अनिल कुमार दुबे द्वारा लगातार आवाज उठाने और उनके हितों के लिए प्रयास करने की सराहना की। उन्होंने दिल की गहराइयों से उनका धन्यवाद करते हुए कहा कि जरूरतमंदों के हक में मजबूती से खड़ा होना ही सच्ची जनसेवा है।

सरहदी ग्लोबल फाउंडेशन की ओर से आयोजित निशुल्क नेत्र जांच शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने करवाई आंखों की जांच

चण्डीगढ़ : महर्षि वाल्मीकि जयंती के पावन अवसर पर सेक्टर-24 स्थित भगवान वाल्मीकि मंदिर में सरहदी ग्लोबल फाउंडेशन की ओर से निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 100 से ज्यादा लोगों ने पहुंचकर अपनी आंखों की निशुल्क जांच करवाई। इस शिविर का संचालन मिचिंगा लेजर आई क्लिनिक के समन्वय से किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य लोगों को आंखों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाना था। इस अवसर पर सरहदी ग्लोबल फाउंडेशन के एमडी सतीश सरहदी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और नेत्र जांच शिविर का उद्घाटन किया। आयोजकों ने बताया कि महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर आयोजित यह शिविर समाजसेवा और जनकल्याण की भावना को आगे बढ़ाने की दिशा में एक सराहनीय पहल है।

कांग्रेस सरकार चंद दिनों की मेहमान, बज चुकी है विदाई की शहनाई: जयराम ठाकुर

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। चौपाल विधानसभा क्षेत्र के नेरवा में आयोजित नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों के सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रप्रियक्ष जयराम ठाकुर ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर तीखे हमले बोले। उन्होंने कहा कि प्रदेश की वर्तमान कांग्रेस सरकार की विदाई का समय बहुत नजदीक है, जिसकी जाने की घड़ी आ चुकी है और राज्य में जल्द ही भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने वाली है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार की विदाई की शहनाई बज चुकी है और सत्ता में चार वर्ष पूरे होने के बावजूद यह सरकार अपनी चार प्रमुख योजनाओं के नाम तक नहीं बता सकती है। सारे काम बंद कर इस सरकार ने सिर्फ एक काम किया है वो है जनता के दुखदंद कम करने वाली भाजपा सरकार को योजनाएं। इन योजनाओं की लोकप्रियता से मुख्यमंत्री इतना चिढ़ गए कि अपनी शुरु करवाने के बजाय चली हुई योजनाओं को ही बंद कर दिया।

जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने जनता से झूठ बोलकर और लुभावने वादे करके सत्ता हासिल की थी। महिलाओं को हर महीने 1500-1500 रुपये देने का प्रलोभन दिया गया, जबकि बेरोजगार युवाओं को पांच वर्षों में पांच



लाख सरकारी नौकरियां देने का वादा किया गया था, लेकिन सत्ता में आते ही नौकरियों पर ताला लगा दिया गया। माताओं और बच्चों की आंखों में धूल डालने के लिए उन इलाकों में 1500 देने की शुरुआत का दावा किया गया जहां की आबादी ही कम है जबकि प्रदेश की 24 लाख मातु शक्ति कांग्रेस की इस झूठी गारंटी के वादेद अनुसार पूरे होने का इंतजार ही कर रही है। उन्होंने अपनी सरकार की उपलब्धियों की तुलना करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकाल में 125 यूनिट मुफ्त बिजली दी जा रही थी, जबकि कांग्रेस ने 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने की गारंटी दी और उसके बदले अब 125 यूनिट दी भी भारी बिल तथाबाज जा रहा है। इसी तरह दूध और गोबर खरीदने की गारंटीयों को पूरी तरह खोखला बताते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने पूर्व भाजपा सरकार द्वारा जनता में शुरू की गई सभी लोकप्रिय योजनाओं को बंद

कर दिया है, जिनमें हिमकेयर, सहारा और स्वावलंबन जैसी कल्याणकारी

संपादकीय

सोशल मीडिया पर शोहरत के लिए क्यों दांव पर लग रही है जिंदगी?

डिजिटल मंचों पर लोकप्रियता हमेशा नहीं रहती, लेकिन उसके लिए उठाया गया गलत कदम खुद के या परिवार के लिए जीवन भर का पछतावा बन सकता है। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में बीते सोमवार को विंध्याचल धाम से लौट रहे चार युवकों की ट्रक की टक्कर से मौत हो जाने की घटना ने एक बार फिर इस सवाल की गंभीरता को उजागर किया है कि आखिर कुछ पल की तस्वीर या वीडियो बनाने के जुनून में अपनी जिंदगी को दांव पर क्यों लगा दिया जाता है! यह हादसा उस वक्त हुआ, जब ये युवक प्रयागराज-वाराणसी राजमार्ग पर कार खड़ी करके मोबाइल फोन से सेल्फी ले रहे थे।आज के सोशल मीडिया के दौर में तस्वीरों और वीडियो के जरिए अपनी गतिविधियां साझा करके प्रचार पाने की होड़ लगी है। मगर समस्या तब पैदा होती है, जब लोग अपनी इस चाह में खुद की सुरक्षा की बुनियादी समझ को भी ताक पर रख देते हैं। कभी ऊंचे पहाड़ों की चोटियों पर, कभी समुद्र की लहरों के बीच, तो कभी रेलवे पटरियों और व्यस्त सड़कों पर वीडियो बनाते वक्त हादसे में जान जाने की घटनाएं अक्सर सामने आती रहती हैं। अहम सवाल यह है कि इस तरह की जोखिम भरी गतिविधियों पर अंकुश कैसे लग पाएगा?इसमें दोराय नहीं कि सोशल मीडिया के जरिए सूचनाओं का प्रसार और निजी विचारों की अभिव्यक्ति आसान हो गई है। मगर, इस तकनीक के प्रति जुनून और अनियंत्रित इस्तेमाल कई तरह के जोखिम भी पैदा करता है। सोशल मीडिया पर अपनी गतिविधियों से जुड़ी नई-नई तस्वीरें और साहसी वीडियो डालने की जरूरत से ज्यादा सक्रियता भी नुकसानदेह हो सकती है। डिजिटल मंचों पर लोकप्रियता हमेशा नहीं रहती, लेकिन उसके लिए उठाया गया गलत कदम खुद के या परिवार के लिए जीवन भर का पछतावा बन सकता है। इस समस्या का समाधान किशोरों या युवाओं को दोष देने से नहीं, बल्कि उन्हें तकनीक के नियंत्रित इस्तेमाल को लेकर सजग बनाने से होगा। इसमें परिवार, समाज और शिक्षण संस्थान अहम भूमिका निभा सकते हैं।विद्यालयों में सड़क सुरक्षा तथा डिजिटल व्यवहार को लेकर जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए। सोशल मीडिया पर खतरनाक करतबों को गैरमॉर्मडित करने के बजाय उनके वास्तविक परिणामों के प्रति सचेत करने वाली सामग्री को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

साफ हवा के लिए सख्ती का समय आया

विवेक चट्टोपाध्याय

हर साल अक्तूबर से फरवरी के बीच, उत्तर भारत की भौगोलिक परिस्थिति और मौसमी दशा वायु प्रदूषण को बदतर बना देती हैं। हवा की गुणवत्ता इतनी खराब हो जाती है कि सांस लेना तक मुश्किल हो जाता है। पंजाब से लेकर पश्चिम बंगाल तक फैले सिंधु-गंगा के पूरे मैदानी इलाके में जैसे-जैसे तापमान गिरता है और मानसूनी हवाएं लौटती हैं, वैसे-वैसे भारी हवा प्रदूषण को धरती के पास रोकने लगती है। इससे धुआं और हानिकारक उत्सर्जन वायुमंडल में नीचे ही जमा होने लगते हैं और हवा दमघोंटू बन जाती है। नतीजतन, ग्रैप जैसे उपाय अपनाए जाते हैं। इसी बुधवार से दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप-1 की शुरुआत हो गई है।

शहर-दर-शहर वायु गुणवत्ता अब चिंता बढ़ाने लगी है। 20 अक्तूबर को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 179, यानी मध्यम श्रेणी में था। बुधवार को यह 244 पर पहुंच गया। हवा की गति कम होने पर आगले 10 से 15 दिनों में प्रदूषण और बढ़ सकता है। फिलहाल आसमान साफ होने, हवा में प्रदूषकों के फैलाव के लिए पर्याप्त ऊंचाई होने और अनुकूल वायु प्रवाह के कारण स्थिति नियंत्रण में है, पर आगले कुछ दिनों तक हवा की गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में ही रहने का अनुमान है।

दिल्ली में पीएम 2.5 का सालाना औसत स्तर लगातार खराब बना हुआ है और यह अभी करीब 100 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर है, जो भारत के 40 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर के सुक्षित मानक से काफी अधिक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा-



निर्देशों के अनुसार, वैश्विक स्तर पर इसकी सुरक्षित सीमा महज पांच माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर है। इससे समझा जा सकता है कि प्रदूषण पर काबू पाने में हम कितने पीछे हैं। बेशक, 2021 से 2025 के बीच पीएम 2.5 का वार्षिक औसत स्तर 105 से घटकर 97 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर रहा, पर यह अब भी खतरनाक रूप से ऊंचा है। मुश्किल यह है कि हमारा तंत्र वायु प्रदूषण से निपटने के लिए तभी तत्पर होता है, जब प्रदूषण-स्तर खतरनाक सीमा को पार करने लगता है, जबकि पूर्वानुमान के आधार पर पहले से कार्रवाई की जा सकती है। इसके लिए जरूरी है कि दिल्ली-एनसीआर के तमाम शहरों-उप-नगरों के बीच

बेहतर तालमेल हो। सवाल है कि गंगा के मैदानी इलाकों में वायु प्रदूषण से कैसे निपटा जाए? चूंकि यह भौगोलिक रूप से एक घिरा हुआ क्षेत्र है, इसलिए यहां प्रदूषण से पार पाने के लिए वैज्ञानिक अध्ययनों के आधार पर नीतियां बनानी होंगी। मसलन, अमेरिका के लॉस एंजिल्स ने, जो पहाड़ों से घिरा हुआ क्षेत्र है, उत्सर्जन की निगरानी करके, स्वच्छ ईंधन अपनाकर और तकनीक आधारित क्षेत्रीय नियामक बनाकर धुंध पर काबू पाया। इतिहास गवाह है कि भारी औद्योगिकीकरण के दौर में भी अधिकारियों को कड़े कानून बनाने पड़े थे। जैसे, 1950 के दशक में लंदन में 'पी-सू' (बहुत घना धुंध) देखा गया था। इससे निपटने के

विचार/मंथन

जानलेवा होती हवा- सर्दियों से पहले ही प्रदूषण की चुनौती

(ललित गर्ग)

दिल्ली-एनसीआर की स्थिति इस संकट का सबसे स्पष्ट उदाहरण है। दिल्ली के साथ गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद और आपदास के अनेक शहर एक-दूसरे से जुड़े वायु क्षेत्र का हिस्सा हैं। इसलिए केवल दिल्ली की सीमाओं के भीतर उपाय करने से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है।

सर्दियों ने अभी पूरी तरह दस्तक भी नहीं दी है कि देश के अनेक शहरों की हवा में प्रदूषण का जहर घुलने लगा है। दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता का तेजी से बिगड़ना इस बात का संकेत है कि प्रदूषण का संकट अब केवल सर्दियों की मौसमी समस्या नहीं, बल्कि हमारे पर्यावरणीय प्रबंधन, शहरी विकास और सार्वजनिक स्वास्थ्य के सामने खड़ी एक गंभीर चुनौती बन चुका है। हर साल अक्टूबर-नवंबर में दमघोंटू धुंध, आंखों में जलन, सांस लेने में कठिनाई और अस्पतालों में बढ़ती मरीजों की संख्या के साथ यह संकट सामने आता है। विडंबना यह है कि समस्या के कारणों की पहचान होने और उपायों की जानकारी उपलब्ध होने के बावजूद हम हर वर्ष उसी त्रासदी को दोहराने के लिए विवश दिखाई देते हैं। सवाल यह है कि क्या स्वच्छ हवा में सांस लेना भी अब नागरिकों के लिए एक दुर्लभ सुविधा बनकर रह जाएगा? वायु प्रदूषण किसी एक कारण या किसी एक राज्य की देन नहीं है। वाहनों से निकलने वाला धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण स्थलों से उड़ती धूल, सड़कों पर जमा मिट्टी, कचरा और जैविक पदार्थ जलाना, ताप विद्युत संयंत्रों से होने वाला उत्सर्जन तथा कृषि अवशेषों का दहन इसके प्रमुख कारणों में शामिल हैं। सर्दियों में तापमान गिरने, हवा की गति कम होने और वायुमंडलीय परिस्थितियों के कारण प्रदूषक जमीन के निकट जमा हो सकते हैं। इससे प्रदूषण का प्रभाव अधिक गंभीर हो जाता है। इस प्रकार मौसम समस्या को बढ़ाता अवश्य है, लेकिन प्रदूषण पैदा करने वाले मूल कारण मुख्यतः मानवीय गतिविधियों और उनके अपर्याप्त नियमन से जुड़े हैं।

दिल्ली-एनसीआर की स्थिति इस संकट का सबसे स्पष्ट उदाहरण है। दिल्ली के साथ गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद और आसपास के अनेक शहर एक-दूसरे से जुड़े वायु क्षेत्र का हिस्सा हैं। इसलिए केवल दिल्ली की सीमाओं के भीतर उपाय करने से समस्या का स्थायी समाधान संभव



नहीं है। हवा किसी प्रशासनिक सीमा को नहीं मानती, वह प्रदूषण को भी एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र तक पहुंचाती है। अतः समाधान भी क्षेत्रीय सहयोग, साझा जवाबदेही और समन्वित कार्ययोजना पर आधारित होना चाहिए। वायु प्रदूषण का सबसे भयावह पक्ष उसका स्वास्थ्य पर पड़ने वाला प्रभाव है। विशेष रूप से पीएम 2.5 जैसे अत्यंत सूक्ष्म कण फेफड़ों की गहराई तक पहुंच सकते हैं और कुछ परिस्थितियों में रक्तप्रवाह तक प्रवेश कर सकते हैं। इनके लंबे समय तक संपर्क में रहने से हृदय एवं फेफड़ों संबंधी बीमारियों, स्ट्रोक और समयपूर्व मृत्यु का जोखिम बढ़ता है। बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं तथा पहले से बीमार लोगों पर इसका प्रभाव विशेष रूप से गंभीर हो सकता है। यह संकट केवल सांस के मरीजों तक सीमित नहीं है। स्वस्थ दिखाई देने वाले लोगों की कार्यक्षमता, एकाग्रता और जीवन की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। स्कूल जाने वाले बच्चों को खुले मैदान में खेलने से रोकना पड़े, बुजुर्ग सुबह की सैर छोड़ने को विवश हों और श्रमिकों को जहरीली हवा में काम करना पड़े, तो यह केवल पर्यावरण की समस्या नहीं, बल्कि जीवन की गरिमा और नागरिकों के स्वास्थ्य के अधिकार से जुड़ा प्रश्न है। एयर प्यूरीफायर या मास्क कुछ परिस्थितियों में

व्यक्तिगत बचाव में सहायक हो सकते हैं, लेकिन वे स्वच्छ हवा की सार्वजनिक व्यवस्था का विकल्प नहीं बन सकते। प्रदूषण बढ़ने पर ग्रेडेड रिसॉप्स एक्शन प्लान (ग्रैप) लागू करना आवश्यक है। इसके अंतर्गत प्रदूषण की गंभीरता के अनुसार निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध, वाहनों और उद्योगों पर नियंत्रण तथा अन्य आपातकालीन कदम उठाए जाते हैं। लेकिन इन उपायों की सफलता केवल आदेश जारी करने से नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन और निरंतर निगरानी से सुनिश्चित होती है। यदि प्रतिबंधों का उल्लंघन होता रहे, निर्माण स्थलों पर धूल उड़ती रहे और कचरा खुले में जलता रहे, तो सरकारी घोषणाएं अपेक्षित परिणाम नहीं दे सकतीं।

सरकार को प्रदूषण के चरम पर पहुंचने की प्रतीक्षा करने के बजाय सितंबर-अक्टूबर से ही तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। प्रदूषण के स्रोतों की पहचान, औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण, सड़कों की नियमित सफाई, निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण और वाहनों के उत्सर्जन की जांच पहले से सुनिश्चित की जानी चाहिए। सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने, इलेक्ट्रिक बसों को बढ़ावा देना, स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार करना और प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई करना

लिए स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा दिया गया और शहरों में कोयले के इस्तेमाल पर रोक लगाई गई। एशिया में बीजिंग एक बड़ा उदाहरण है, जहां के उद्योगों पर सख्त नियम लागू किए गए और समग्र प्रयासों से वहां की वायु गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार लाया गया। ऐसा नहीं है कि भारत ने प्रयास नहीं किए हैं। दिल्ली-एनसीआर और पूरे देश में प्रदूषण फैलाने वाले स्रोतों के लिए मानक लगातार सख्त किए गए हैं। गाड़ियों के मामले में भी 2017 से 2020 के दरम्यान बीएस-चार से बीएस-छह मानक अपनाए गए। स्वच्छ ईंधन के नियम भी लागू हुए, पर उनके पालन में सख्ती हर जगह एक जैसी नहीं रही। इसी तरह, बिजली संयंत्रों, उद्योगों, कचरा दहन गृहों, घरों में स्वच्छ ईंधन के इस्तेमाल, छोटे औद्योगिक प्रतिष्ठानों और पुरानी गाड़ियों से होने वाले प्रदूषण की समस्या अब भी बनी हुई है। इनसे निपटने के लिए राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर ठोस कार्ययोजना जरूरी है। हमारे पास ऐसे मानक भी होने चाहिए, जिनसे यह पता चल सके कि उत्सर्जन में कितनी कमी आई है, हवा की गुणवत्ता कितनी बेहतर हुई है और स्वास्थ्य पर किस हद तक प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है?

जरूरी यह भी है कि राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) का लक्ष्य केवल उन शहरों तक सीमित नहीं रहे, जहां प्रदूषण तय मानक से अधिक है। इसमें सभी शहरों को शामिल करना चाहिए। इसी तरह, हमें केवल उन कारणों पर ध्यान नहीं केंद्रित करना चाहिए, जो आसानी से दिखाई देते हैं, जैसे- पराली जलाना। इसके बजाय प्रदूषण के सभी स्रोतों पर काम करना जरूरी है।

आज का राशिफल

मे़ष
आज पुराने भुगतानों की जांच और कागजी तैयारी करना

होगा ।परिवार को खर्चों पर आज ध्यान देना ।पैसे लगाने के मामलों में कोईभी फैसला जल्दबाजी में न लें ।अपने रोज के खर्चों को देखकर अपना बजट सुधारें ।यदि कोई आपसे पैसों की मदद मांगे, तो पहले अपनी खुद की जिम्मेदारियों को जरुर परख लें ।काम का दबाव थोड़ा बढ़ सकता है ।

मिथुन
आज काम से जुड़ी लागत

और रोजमर्रा के खर्चों पर आज ध्यान देना होगा ।अपने काम की रफतार बढ़ाने के लिए कोईभी सामान खरीदने से पहले अपना बजट अच्छी तरह जांच लें ।यदि आप कमाई का कोई दूसरा जरिया ढूढ रहे हैं, तो पैसा लगाने से पहले उसकी पूरी और सरल जरूरतों को समझ लें ।

सिंह
आज दिखावे से बचाव और

पुरानी योजनाओं पर गौर करना होगा ।घर के खर्चों, परिवार की जिम्मेदारियों या संपत्ति से जुड़े मामले आज आपके फैसलों को तय करेंगे ।कोई भी बड़ा सामान खरीदने से पहले सभी विकल्पों की आपस में तुलना जरूर कर लें ।दूसरों पर धौंस जमाने या दिखाने के लिए पैसे खर्च न करें ।

वृष
आज आपको आर्थिक

समझौते और खर्चों पर दोबारा विचार करने की जरूरत पड़ सकती है ।परिवार के लोगों या कारोबारी साथियों के साथ आने वाले भुगतानों पर खुलकर बात करें ।अपने पुराने लेन-देन को ध्यान से देखें ।बिना पक्की शर्तों के किसी को भी उधार पैसा बिल्कुल न दें ।जिम्मेदारी को अच्छे से समझे, तो मिल जुलकर काम करने से बहुत अच्छी तरक्की मिल सकती है ।

कर्क
आज संयमित खर्च और शांत

चर्चा ।भविष्य की तरक्की को लेकर आत्मविश्वास देंगे, पर कर्क राशि में मंगलदेव की कमजोर स्थिति आपको संभलकर चलने की सलाह देती है ।अपने आराम या परिवार की जरूरतों पर पैसा खर्च करने से पहले अपना बजट जरूर देख लें ।

कन्या
आज कागजी रिकॉर्ड की

संभाल और स्पष्ट बातचीत रखना होगा ।आज आपको खर्चों, कर्ज चुकाने और पैसों के लेन-देन से जुड़े मामलों को पूरी तरह साफ करना होगा ।अपने सभी लेन-देन का रिकॉर्ड सुरक्षित रखें ।अपने खर्च करने के तरीकों को देखें उसके सारे जोखिमों को अच्छी तरह समझ लें ।

वर्ग पहेली 6254					
1	2	3	4	5	6
7			8	9	
10			11		
		12			13
14	15	16	17		
18	19		20	21	
22			23		
	24			25	
संकेत: बार्ड से खार 1. 31 अगस्त 1919 को इस महान क्रांतिवाी, उपन्यासकार और निबंधकार ने जन्म लिया था (6) 6. अयोध्या के सुर्ववीरय राजा का नाम त्रिकुटी दूसरकनी सुर्नात के गर्भ से 60 हजार पुत्र हुए थे (3) 8. दण्डत, कृपालु, मेहरबान (4) 10. उत्तरप्रदेश की पूर्व महिला मुख्यमंत्री (सिर्फ अरुंधिका नाम) (2) 11. कामायनी, सफल होने का भाव (4) 12. तपस्, तेजस्, उद्यत (3) 14. संगीत में स्वर का विस्तार, तानने की क्रिया, धिंवाव (2) 16. परसों के पहले या आने वाले दिन में (3) 18. अन्धता, पलिकर, रिश्तावा, रैखा (3) 20. भोज्ञा देकर मान्, असम्भव लुट्ना (3) 22. मुस्लिम धर्म के मानने वालों का पवित्र ग्रंथ (3) 23. एक स्वीकृति सूचक शब्द (1) 24. पौर धर्मि करन, काजना (3) 25. घर के साथ कन्ध पक्ष के पहा जाने वालों का समूह (3) संकेत: ऊपर से नीचे 1. मेर नारबली, विजयला (5) 2. शिकार हेतु भ्रमन, आखेट (3) 3. किसी धातु को पीट और खींचकर					
बनाया गया जंतु या और (2) 4. पक्षपाली, हिमावली (5) 5. यह भारत की पहली रहस्य प्रधान फिल्म थी (3) 6. एक प्रचन्वाचक सर्वनाम (2) 9. मातृ, जन्म देने वाली स्त्री (2) 11. बरतारी, बुध्वाव, सवान होने का भाव (4) 13. 1918 में गणराज्य बने आदिवा देश की यह राजधानी है (3) 15. भेट,उपहार, सौगत (4) 17. सूखे अदरक, को यह भी कहते है (2) 19. जो रिश्ते में पति की बहन हो (3) 21. फूलों की घन्ी मुंभी छोटी माला जिसे प्रायः स्त्रियां पहन्ते में संस्कार के लिए लगाती है (3)					
वर्ग पहेली 6253 का हल					
स	द	म	स	म	स
ह	म	म	ज	म	न
न	स	द	द		स
क	द	म	सं	को	च
क	स	द	त	ह	
	द		स	स	न
आ	स	च	न	झ	म
स्य	की	म	ठ	ल	

तुला
आज अपनी प्राथमिकताओं

की समीक्षा और संयम दिखाना होगा ।यह समय आपके खर्च करने के आदतों और पैसों की प्राथमिकताओं पर दोबारा सोचने के लिए बहुत सही है ।जब तक पूरी जानकारी न हो, तब तक कोई बड़ा फैसला न लें ।अपने बचत के लक्ष्यों को देखें और फालतू की खरीदारी से खुद को रोककर अपने बजट में संतुलन वापस लाएं ।

धनु
आज नेटवर्क से मदद और

पक्की योजना बनाना होगा ।दफ्तर के संपर्क या घर की गतिविधियां आपको पैसों के ऐसे नए मोके दे सकती हैं जिन्हें तलाशना फायदेमंद रहेगा ।जो बातें केवल सुंदर वादों जैसी लगें और असलियत से दूर हों ।यदि आप नई नौकरी या नए मौकों की तलाश में हैं, तो लोगों से मेल-मिलाप बहुत काम आएगा ।

कृंभ
आज महत्वाकांक्षाओं पर नियंत्रण और बजट

की सीमा तय करना होगा ।पैसों को समझदारी से संभालना आज भी सबसे ज्यादा जरूरी है ।किसी भी नए मौके पर पैसा लगाने से पहले उसके खर्च और भरोसेमंद होने की पूरी जांच कर लें ।पढ़ाई, तकनीक और यात्रा से जुड़े खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए हर चीज अपने बजट के अंदर ही रखें ।नए विचार आपको ध्यान खींच सकते है ।

वृश्चिक
आज छिपे खर्चों की जांच

और शांत मेहनत मन लगाना होगा ।अपनी आर्थिक स्थिति को गहराई से देखने के लिए थोड़ा समय निकालें, जिसमें आपके पुराने बकाये और नियमित खर्च शामिल ह ।थोड़े समय के तनाव में आकर कोई भी जोखिम भरा फैसला लेने से या खरीदारी करने से बचें ।

मकर
आज करियर में स्पष्ट

शर्तें रखे ।घर-परिवार की जिम्मेदारियां और लंबे समय की आर्थिक सुरक्षा आज खास ध्यान मांग रही है ।कोईभी बड़ा सामान खरीदने या निवेश करने से पहले सभी विकल्पों की तुलना कर लें ।एक सही और व्यवस्थित बजट आपको अपनी आज की जिम्मेदारियों और भविष्य के बड़े सपनों के बीच तालमेल बिटाने में मदद करेगा ।

मीन
आज आत्ममंथन और

अनुशासित कदम बढ़ाना होगा ।अपनी आर्थिक सुरक्षा के बारे में बहुत गहराई से सोचेंगे ।अपने खर्च करने के तरीकों, बचत के लक्ष्यों और पुराने बकाये की समीक्षा करें ।घबराहट में आकर कोई भी फैसला न लें ।थोड़े से अनुशासित बदलाव आपके अंदर का भरोसा बढ़ा देंगे ।आपकी अंदरूनी समझ आपको दफ्तर के हालात समझने में मदद करेगी ।

संक्षिप्त समाचार

एयू स्मॉलफाइनेंस बैंक अचानक चर्चा में

नई दिल्ली, एजेंसी। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक अचानक चर्चा में है। इसने दूसरी तिमाही में अपने नेट प्रॉफिट में 5३ प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। यह पिछले साल की इसी अवधि के 56१ करोड़ रुपये से बढ़कर 858 करोड़ रुपये हो गया है। इस बढ़ोतरी में बिजनेस के विस्तार और एसेट क्वालिटी में सुधार का बड़ा योगदान रहा। बैंक का नेट इंटररेस्ट मार्जिन पिछले साल की इसी अवधि के 5.5 प्रतिशत से बढ़कर इस तिमाही में 5.8 प्रतिशत हो गया। यह मुनाफे का एक अहम पैमाना है। सितंबर के अंत में, का ग्रॉस नोन-परफॉर्मिंग एसेट्स रेशियो 42 बेसिस पॉइंट्स घटकर 1.99 प्रतिशत रह गया। प्रोविजन्स 48१ करोड़ रुपये से 25



प्रतिशत घटकर 359 करोड़ रुपये हो गए। नेट रेशियो में 7 का सुधार हुआ और यह 0.8१ प्रतिशत पर आ गया। एनुअलाइज्ड क्रेडिट कॉस्ट 45 घटकर 0.8 प्रतिशत रह गई, जो एक साल पहले 1.2 प्रतिशत थी। बैंक खुद को एक यूनिवर्सल लेंडर (सभी तरह की बैंकिंग सेवाएं देने वाला बैंक) में बदलने की प्रक्रिया में है। इसका प्री-प्रोविजन ऑपरेटिंग प्रॉफिट सालाना आधार पर 28 प्रतिशत बढ़कर 1.5१4 करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले यह १,2१0 करोड़ रुपये था। नेट इंटररेस्ट इनकम 32 प्रतिशत बढ़कर 2,820 करोड़ रुपये हो गई। यह एक साल पहले 2,१44 करोड़ रुपये थी। बैंक का ग्रॉस लोन पोर्टफोलियो सालाना आधार पर 25 प्रतिशत बढ़कर 1.54 लाख करोड़ रुपये हो गया। वहीं, कुल डिपॉजिट 29 प्रतिशत बढ़कर 1.70 लाख करोड़ रुपये हो गए। 1996 में एक व्हीकल फाइनेंसर के रूप में शुरू हुआ अब भारत का सबसे बड़ा स्मॉल फाइनेंस बैंक है।

बिनोद होजरी बनीरूपा, दुकानों से भगाए जाने वाले 3 भाइयों ने ऐसी लिखी रिफ्ट कि गोविंदा-रणवीर सिंह भी जुड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। रूपा भारतीय इनरवेयर मार्केट का आज यह जाना-पहचाना नाम है। अपने मशहूर विज्ञापन ‘ये आराम का मामला है’ और दमदार मार्केटिंग के बल पर इसने अपनी मजबूत स्थिति



बनाई है। कोलकाता में तीन भाइयों ने इसकी शुरुआत की थी। बहुत छोटी होजरी के तौर पर। वहीं आज हजारों करोड़ के टर्नओवर वाले एक विशाल साम्राज्य में तब्दील हो चुकी है। कड़े मुकाबले और समय के साथ बदलती मांग के बावजूद रूपा ने क्वालिटी के दम पर बाजार में अपना दबदबा कायम रखा है। आइए, यहां रूपा की पूरी कहानी के बारे में जानते हैं।
रूपा की नींव साल 1968 में प्रह्लाद राय अग्रवाल, कुंज बिहारी अग्रवाल और घनश्याम प्रसाद अग्रवाल ने बिनोद होजरी के रूप में रखी थी। इसे बाद में 1985 में ‘रूपा’ ब्रांड नेम दिया गया। शुरुआत में बाजार में डोरा, लक्स और वीआईपी जैसे स्थापित ब्रांड्स का दबदबा था। उन शुरुआती दिनों में दुकानदार रूपा के संस्थापकों को अपनी दुकान में बैठने तक नहीं देते थे। लेकिन, क्वालिटी और अपनी बनाई इन्वेंट्री-बेस्ड स्ट्रेटेजी के दम पर महज 5 सालों में कंपनी का टर्नओवर 1 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। रूपा की सबसे बड़ी ताकत उसकी सटीक और साहसी मार्केटिंग रणनीति रही। 1९80–90 के दशक में विज्ञापनों से इसे जबरदस्त रपतार मिली। साल 2000 में अभिनेता गोविंदा को ब्रांड एंबेसडर बनाकर कंपनी ने उत्तर भारत और आम जनता के बीच एक गहरा जुड़ाव बनाया। यहां तक कि फिल्म ‘लाल सिंह चड्ढा’ में भी रूपा ब्रांड को कहानी के एक मुख्य हिस्से के रूप में दिखाया गया। फिल्म में करीना कपूर का नाम रूपा होता है। अमिर खान ने अपनी कंपनी का भी नाम उसी रूपा के नाम पर रखा होता है।

8 साल में पहली बार... भारत में चीनी स्मार्टफोन कंपनियों की निकली हवा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में चीनी स्मार्टफोन कंपनियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। मेमोरी चिप की कीमतें रेकॉर्ड स्तर पर पहुंचने से वीवो, ओप्पो और शाओमी जैसी कंपनियां सस्ते फोन के मॉडल घटा रही हैं। इसका फायदा भारतीय कंपनियों को मिल रहा है। जुलाई-सितंबर तिमाही में भारतीय ब्रांडों की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 7 प्रतिशत हो गई, जबकि चीनी कंपनियों की हिस्सेदारी घटकर 67-68 प्रतिशत रह गई। मार्केट रिसर्च कंपनियों ओमडिया और काउंटरपॉइंट रिसर्च के आंकड़ों के मुताबिक, चीनी ब्रांडों की बाजार हिस्सेदारी आठ साल से ज्यादा समय के निचले स्तर पर पहुंच गई है। वहीं, भारतीय कंपनियां लावा और एआई+ जैसे ब्रांडों के जरिए कम कीमत वाले फोन की मांग का फायदा उठा रही हैं।

भारतीय ब्रांडों की हिस्सेदारी में करीब 95 प्रतिशत योगदान एआई+ और लावा का रहा। इसके अलावा जैसे नए ब्रांड भी बाजार में उतरे हैं। जुलाई 2025 में लॉन्च हुए एआई+ ने सितंबर में खत्म हुई तिमाही में एक साल पहले के मुकाबले चार गुने से ज्यादा फोन भेजे। पिछली तिमाही में स्मार्टफोन बाजार में कदम रखा। मेमोरी चिप महंगी होने का असर सिर्फ कंपनियों पर ही नहीं, ग्राहकों पर भी पड़ रहा है।

देश में सबसे महंगी बिजली बना रहा धौलपुर प्लांट

एक यूनिट की लागत 46 रुपये पार

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान में बिजली की मांग पूरी करने के लिए धौलपुर गैस पावर प्लांट से बेहद महंगी बिजली खरीदी जा रही है। अक्टूबर में यहां बिजली बनाने की लागत 46.09 रुपये प्रति यूनिट तक पहुंच गई। यह देश में बिजली उत्पादन की सबसे ऊंची लागत बताई जा रही है। हालांकि, प्लांट के लिए बिजली खरीद समझौते में कोई मंजूर टैरिफ नहीं है। ऐसे में बिजली बनाने पर होने वाला खर्च वसूलना बड़ी चुनौती बन गया है।

राजस्थान ऊर्जा विकास एवं आईटी सर्विसेज लिमिटेड राज्य की बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के लिए बिजली खरीदती है। मांग बढ़ने और खुले बाजार में बिजली की सीमित उपलब्धता के कारण कंपनी को आपात स्थिति में



धौलपुर प्लांट का सहारा लेना पड़ रहा है।

12 दिन में 30 करोड़ रुपये से ज्यादा की बिजली: अक्टूबर के शुरुआती 12 दिनों में धौलपुर प्लांट ने 30 करोड़ रुपये से ज्यादा की बिजली सप्लाई की। इस दौरान बिजली बनाने की लागत 4१ से 46 रुपये प्रति यूनिट के बीच रही। प्लांट

का संचालन राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड करता है। मंजूर टैरिफ वाला बिजली खरीद समझौता नहीं होने के कारण वह इस खर्च की भरपाई डिस्कॉम से नहीं कर सकता। ऐसे में बिजली उत्पादन की लागत का वित्तीय बोझ उसे खुद उठाना पड़ रहा है।

3 साल में 5000 करोड़ तो 5 साल में 10000 करोड़ का निवेश

इंटरनेशनल डिजाइन के लिए जेएसीओबी एंड सीओ से मिलाया हाथ



नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब की कंपनी अगले पांच साल के दौरान करीब 10,000 करोड़ रुपये के निवेश का फैसला किया है। यह निवेशक पंजाब के ट्राई सिटी कहे जाने वाले वाले मोहाली-न्यू चंडीगढ़-जीरकपुर के इंद-गिर्द होगा। उनका इरादा ट्राई सिटी में लग्जरी हाउसिंग पोर्टफोलियो में विस्तार देने का है। साथ ही कुछ कॉमर्शियल स्पेस को भी डेवलप करने की प्लानिंग है। जीबी रियल्टी के फाउंडर गुरिंदर भट्टी का कहना है कि वह पंजाब के मोहाली और न्यू चंडीगढ़ में रेसिडेंशियल और कॉमर्शियल प्रोजेक्ट्स डेवलप करने पर फोकस कर रहे हैं। उनका इरादा इस सेक्टर में अगले तीन सालों के दौरान 5,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की है। उन्होंने खुलासा किया कि पांच साल में यह निवेश करीब 10,000 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा।

फंडिंग कहां से होगी

गुरिंदर भट्टी का कहना है कि इन प्रोजेक्ट्स के लिए कुछ फंडिंग तो कंपनी के इंटरनल एक्युरल्स से आ जाएगा। इसके अलावा जब एक बार प्रोजेक्ट लॉन्च हो जाएगा तो फिर बॉयर्स मिलने लगेंगे। उनसे भी तो रकम आएगी ही। जब रेरा से अनुमति मिल जाएगी तो फिर इंस्टीट्यूशनल फंडिंग भी मिल जाएगी। साथ ही कुछ ज्वाइंट वेंचर कैपिटल से भी फंड जुटाने की बात है। उनका कहना है कि कब कितना फंड जुटाया जाएगा, यह इंडिविजुअल प्रोजेक्ट के स्केल और नेचर पर निर्भर करेगा। जीबी रियल्टी की स्थापना साल 2024 में ही हुई है। इस समय कंपनी केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ से लगते मोहाली और न्यू चंडीगढ़ में प्रोजेक्ट्स डेवलप करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

गोवा ट्रिप कैसिल, रोलेक्स घड़ी बेची, जीरो अलॉटमेंट के जरिये हर्ष गोयनका ने बयां किया आम निवेशकों का दर्द

नई दिल्ली, एजेंसी। जियो प्लेटफॉर्मस के आईपीओ को निवेशकों की बंपर प्रतिक्रिया मिली है। रिलायंस इंडस्ट्रीज की टेलीकॉम कंपनी का यह इश्यू 22.19 गुना सब्सक्राइब हुआ। जाने-माने उद्योगपति हर्ष गोयनका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर इस आईपीओ और आम निवेशकों की स्थिति पर मजाकिया पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने अपने पोस्ट के जरिए यह दिखाने की कोशिश की है कि कैसे बड़े आईपीओ में निवेश करने के लिए लोग अपनी सुख-सुविधाओं का त्याग करते हैं। लेकिन, अंत में अलॉटमेंट में उन्हें निराशा ही हाथ लगती है। उद्योगपति ने शेयर किया पोस्ट



हर्ष गोयनका ने लिखा, अफ्लाई किया। गोवा का ट्रिप कैसिल कर दिया। एक रोलेक्स घड़ी बेच दी। अलॉटमेंट: जीरो अब बस ‘आकाश’ की तरफ देखता रहता हूँ। एक सच्चे रिटेल इन्वेस्टर की तरह !



हर्ष गोयनका का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर काफी शेयर हो रहा है। यह आईपीओ बाजार में शेयर न मिलने पर आम निवेशकों की भावनाओं और मायूसी को बड़े ही हल्के-फुल्के और व्यंग्यात्मक

अंदाज में बयां करता है।

जियो प्लेटफॉर्मस का आईपीओ पूरी तरह नए शेयरों का इश्यू है। कंपनी ने १,065 से 1,119 रुपये प्रति शेयर के मूल्य दायरे में 27 करोड़ नए शेयर जारी किए हैं। ऊपरी मूल्य स्तर पर कंपनी करीब 30,2१3 करोड़ रुपये जुटाएगी। उनका वैल्यूएशन करीब 108 अरब डॉलर होगा। रिलायंस इंडस्ट्रीज या कंपनी के अन्य मौजूदा शेयरधारक इस इश्यू में अपने शेयर नहीं बेच रहे हैं। यह आईपीओ बुधवार को खुला था। कंपनी ने आईपीओ खुलने के एक दिन पहले 19 अक्टूबर को 212 एंकर निवेशकों से करीब 8,१10 करोड़ रुपये जुटाए थे।

जुलाई और सितंबर में भी चलाना पड़ा प्लांट

राजस्थान में बिजली की कमी के दौरान धौलपुर गैस प्लांट का पहले भी इस्तेमाल किया गया था। जुलाई में इसे लगातार पांच रातों तक चलाया गया था। उस समय बिजली बनाने की लागत करीब 30 रुपये प्रति यूनिट थी और कुल खर्च लगभग 13 करोड़ रुपये रहा। सितंबर में भी कोयले की कमी और थर्मल पावर प्लांट बंद होने के कारण धौलपुर प्लांट से बिजली ली गई। उस दौरान बिजली उत्पादन की लागत 35 रुपये प्रति यूनिट से ज्यादा थी। तमिलनाडु में भी बिजली की कमी पूरी करने के लिए 37 रुपये प्रति यूनिट तक की दर से बिजली खरीदने पर सहमति बनी।

मांग और सप्लाई के बीच तालमेल जरूरी

ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि राजस्थान और तमिलनाडु के मामले बिजली की मांग और सप्लाई के बीच बेहतर तालमेल की जरूरत दिखाते हैं। अचानक मांग बढ़ने या बिजली उत्पादन घटने पर महंगी बिजली खरीदने से बचने के लिए ऐसे ऊर्जा स्रोत जरूरी हैं, जिनसे जरूरत के समय तेजी से बिजली बनाई जा सके। ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े एनजीओ समता पावर के निदेशक डीडी अग्रवाल ने कहा कि केवल बिजली उत्पादन की क्षमता तैयार करना पर्याप्त नहीं है। बिजली व्यवस्था में ऐसे लचीले और तेजी से चालू होने वाले ऊर्जा स्रोत भी होने चाहिए, जो अचानक बढ़ी मांग को पूरा कर सकें और लागत को नियंत्रण में रखें। उनके मुताबिक, फिलहाल आपातकालीन बिजली खरीद से पड़ने वाले वित्तीय बोझ को संभालना और भविष्य के लिए ऐसे बिजली उत्पादन विकल्प तैयार करना जरूरी है, जिन्हें जरूरत के हिसाब से बढ़ाया जा सके।

16.5 किलो वजन, 55 कारीगर, 5840 घंटे... दुबई में भारतीय कंपनी ने बनाए सोने के विशाल झुमके, 2 वर्ल्ड रेकॉर्ड तोड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। दुबई में 16.5 किलो से ज्यादा वजन वाले जॉयअलुक्कास ज्वेलरी के सीईओ जॉन पॉल अलुक्कास ने



सोने के झुमकों की एक जोड़ी ने दो गिनीज वर्ल्ड रेकॉर्ड अपने नाम किए हैं। भारतीय ज्वेलरी कंपनी जॉयअलुक्कास ने इसे तैयार किया है। कंपनी के इन झुमकों को दुनिया की सबसे भारी और सबसे बड़ी सोने की बालियों की जोड़ी के रूप में मान्यता मिली है। 22 कैरेट सोने से बने इन झुमकों का कुल वजन 16.5१4 किलो है। गल्फ न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, इन झुमकों का नाम ‘मयूर सहस्र’ रखा गया है। इसका अर्थ है ‘एक हजार मोर’। इन्हें 24 अक्टूबर को दुबई के गोल्ड डिस्ट्रिक्ट स्थित ज्वेल ऑफ जॉय शोरूम में प्रदर्शित किया गया। इस मौके पर यूएई के इकॉनॉमी और टूरिज्म मिनिस्टर अब्दुल्ला बिन तौक अल मरी भी मौजूद थे।

गल्फ न्यूज को बताया कि इन झुमकों को बनाने का विचार दुबई के साथ कंपनी के लंबे जुड़ाव और शहर के विकास से प्रेरित था। उन्होंने कहा कि दुबई को हमेशा सोने के शहर के रूप में जाना जाता है और यह रचना शहर की पहचान को और मजबूत करेगी। उन्होंने कहा कि कंपनी करीब चार दशकों से दुबई के साथ आगे बढ़ी है। ये झुमके उन कारीगरों की मेहनत का नतीजा हैं, जिन्होंने एक मुश्किल कल्पना को हकीकत में बदल दिया। उन्होंने कहा कि एक ही रचना के लिए दो गिनीज वर्ल्ड रेकॉर्ड मिलना कंपनी, उसके कर्मचारियों और लंबे समय से भरोसा करने वाले ग्राहकों के लिए गर्व की बात है।

उत्सव सीजेड गोल्ड ज्वेल्स लि. ने बोनस शेयर का किया ऐलान, फेस्टिव सीजन में निवेशकों को तोहफा

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहारी सीजन के बीच ज्वेलरी कंपनी- उत्सव सीजेड गोल्ड ज्वेल्स लिमिटेड ने अपने निवेशकों को बोनस शेयर का बड़ा तोहफा दिया है। इस संबंध में कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को जानकारी दी है। आइए डिटेल में इसके बारे में जान लेते हैं।
उत्सव हूँ गोल्ड ज्वेल्स लिमिटेड के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने बैठक में १:१ बोनस इश्यू के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। कंपनी ने को दी गई जानकारी में बताया कि पात्र शेयरधारकों को 10 रुपये फेस वैल्यू वाला एक बोनस शेयर हर एक मौजूदा शेयर के बदले जारी किया जाएगा। हालांकि, बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट अभी घोषित नहीं की गई है। बोर्ड आने वाले दिनों में रिकॉर्ड डेट तय करेगा और इसकी घोषणा करेगा। बता दें कि रिकॉर्ड डेट के आधार पर तय किया जाता है कि किन शेयरधारकों को बोनस शेयर मिलेगे। इसलिए निवेशकों को कंपनी की आधिकारिक घोषणा का इंतजार करना होगा।

कंपनी ने क्या बताया

75 रिजेक्शन, लेकिन अपने आइडिया पर बनाए सखा विश्वास, अब सालाना 4.5 करोड़ रुपये की कमाई



नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी है लक्ष्य शर्मा और दीप संधानी की। दोनों अहमदाबाद के रहने वाले हैं। इनकी मुलाकात एक स्टार्टअप सम्मेलन में हुई थी। कैमिस्ट्री ऐसी जमी कि दोनों ने कपड़ा उद्योग से निकलने वाले कचरे (टेक्सटाइल वेस्ट) को पर्यावरण के लिए खतरा बनने से रोकने के इरादे से स्टार्ट-अप शुरू करने का फैसला किया। इसका नाम ‘री-वर्स’ है। शुरुआत में उन्हें 75 इंवेस्टर्स से न सुनने को मिला। लेकिन, संस्थापकों ने अपने आइडिया पर भरोसा बनाए रखा। कपड़े के कचरे को मजबूत बिल्डिंग बोर्ड में बदलकर दिखाया। वित्तीय वर्ष 2025–26 में स्टार्टअप ने 4.5 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल किया। आज यह कंपनी प्लाइवुड और संगमरमर का बेहतरीन विकल्प पेश कर रही है। आइए, यहां लक्ष्य शर्मा और दीप संधानी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।
मार्च 2024 की बात है। अहमदाबाद के एक स्टार्ट-अप सम्मेलन में लक्ष्य शर्मा और दीप संधानी की मुलाकात हुई। लक्ष्य वेबस्टर यूनिवर्सिटी के छात्र रहे हैं। वहीं, दीप उन दिनों एमएनआईटी जयपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग कर रहे थे। दोनों ने भारत में हर साल पैदा होने वाले 70 लाख टन से ज्यादा टेक्सटाइल वेस्ट (कपड़ों का कचरा) के समाधान पर काम करने का फैसला किया।

फीचर

रुक्मिणी वसंत की नई फिल्म का ऐलान, थारा के किरदार में आएंगी नजर

फिल्म ‘कांतारा: चैप्टर 1’ में अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों का ध्यान खींचने वाली एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत जल्द ही एक नई फिल्म में नजर आएंगी। फिल्म के मेकर्स ने रुक्मिणी का अपनी टीम में स्वागत करते हुए उनके किरदार की जानकारी दी। वह डायरेक्टर श्री कार्तिक की अगली फिल्म में थारा का किरदार निभाएंगी। अभी फिल्म के नाम का ऐलान नहीं किया गया है। इस फिल्म में रुक्मिणी लीड रोल में होंगी और उनके साथ देव रामनाथ और विनायक वैथियानाथन भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। डायरेक्टर श्री कार्तिक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ‘ईश्वर के आशीर्वाद से बेहद टैलेंटेड कलाकार रुक्मिणी के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूँ। एक मजेदार, रोमांचक और दिल को छू लेने वाली फिल्म आने वाली है। ‘ओके ओका जीवितम’ की तरह यह फिल्म भी हमेशा आपके दिलों में रहेगी।’ उन्होंने पोस्ट में रुक्मिणी को टैग करते हुए फिल्म को लेकर अपना उत्साह जाहिर किया। यह पहली बार होगा जब रुक्मिणी वसंत और डायरेक्टर श्री

कार्तिक किसी फिल्म में साथ काम करेंगे। फिल्म का निर्माण मैडबॉयज एंटरटेनमेंट और सिरुनी सिने कॉर्पोरेशन मिलकर कर रहे हैं, जबकि साईकृष्णा गडवाल इसके को-प्रोड्यूसर हैं। इससे पहले श्री कार्तिक फिल्म ‘कानम’ के जरिए चर्चा में आए थे। इस फिल्म में टाइम टैवल जैसे अनोखे कॉन्सेप्ट को मां और बेटे के भावनात्मक रिश्ते के साथ जोड़ा गया था। अब वह एक नए प्रोजेक्ट के साथ लौट रहे हैं, जिसमें अलग-अलग कलाकारों और क्रिएटिव टीम के साथ एक नई कहानी पेश करने की तैयारी है। मेकर्स ने रुक्मिणी के किरदार थारा का परिचय एक अनाउंसमेंट वीडियो के जरिए कराया। इस वीडियो में श्री कार्तिक, देव रामनाथ और विनायक वैथियानाथन थारा के किरदार को फाइनल करने की कोशिश करते नजर आते हैं। इसी बीच अचानक एक नोटिफिकेशन आता है, जो तीनों को चौंका देता है। इसके बाद रुक्मिणी वसंत की एंट्री होती है और दर्शकों को उनके किरदार की पहली झलक देखने को मिलती है।

बतौर डायरेक्टर अपनी नई पारी शुरू कर रहे हैं राम पोथिनेनी

बॉलीवुड में अपनी दमदार अभिनय से पहचान बनाने वाले अभिनेता रितेश देशमुख अब तेलुगु सिनेमा में कदम रखने जा रहे हैं। एक्टर एनर्जेटिक स्टार राम पोथिनेनी की फिल्म के साथ रितेश अपने तेलुगु डेब्यू के लिए तैयार हैं। मेकर्स ने फिल्म में उनकी एंट्री का ऐलान कर दिया है। फिल्म में राम पोथिनेनी सिर्फ एक्टिंग ही नहीं कर रहे, बल्कि बतौर डायरेक्टर भी अपनी नई पारी शुरू कर रहे हैं। कृष्णा पोथिनेनी के प्रोडक्शन हाउस

रापो सिनेमेटिक्स के बैनर तले बन रही यह फिल्म बड़े पैमाने पर तैयार की जा रही है। फिल्म की रिलीज डेट अभी सामने नहीं आई है, लेकिन यह इसी साल दिसंबर में आएगी। फिल्म की कहानी नियो-नोयर दुनिया में सेट है, जो इसके रहस्य और रोमांच को एक अलग अंदाज देने वाली है। बताया जा रहा है कि फिल्म की स्क्रिप्ट और अपने किरदार से प्रभावित होकर रितेश ने इस प्रोजेक्ट के लिए हामी भरी। फिल्म में उनका किरदार कहानी के लिहाज से बेहद अहम होने वाला है।



एकता कपूर ने की प्रियंका चाहर चौधरी की तारीफ

अभिनेत्री प्रियंका चाहर चौधरी रियलिटी शो ‘राइज एंड फॉल’ सीजन 2 में प्रोड्यूसर एकता कपूर द्वारा उनके गेम की तारीफ किए जाने के बाद इमोशनल नजर आईं। दरअसल, शो के टावर के अंदर साथी कंटेस्टेंट्स के साथ झगड़े के बाद माहोल गरम होने के बीच, प्रियंका को एकता, अभिषेक मल्हान और ईशा सिंह की तरफ से सपोर्ट मैसेज मिले। प्रियंका की परफॉर्मेंस की तारीफ करते हुए एकता ने कहा कि वह शो में उनकी जर्नी फॉलो कर रही हैं और उन्होंने जिस तरह से अलग-अलग हालात को हैंडल किया है, वह वाकई सराहनीय है। एकता ने कहा, ‘मैं आपको ‘राइज एंड फॉल’ में देख रही हूँ और मैं कहना चाहती हूँ, आप बहुत अच्छा खेल रही हो। शो में आप कभी-कभी शांत और संयमित रहती हो और कभी-कभी लोगों को उनकी असली जगह दिखा देती हो।’ प्रियंका को ‘असली हीरोइन’

बताते हुए प्रोड्यूसर ने कहा कि वह पूरे देश में मौजूद उनके सपोर्टर्स के साथ उनके लिए दुआ कर रही हैं। एकता ने प्रियंका के साथ जुड़े ‘नागिन’ टैग पर भी बात की और इसे हौसला बढ़ाने वाला मैसेज बताया। उन्होंने कहा, ‘सबसे अच्छी बात, अगर कोई आपको नागिन कहे, तो उन्हें ये बात याद हो कि नागिन का डसा पानी भी नहीं मांगता और आप सिर्फ बुरे लोगों को डसती हो। तो, खेलती रहो और जीतीं। मेरे और पूरे इंडिया के लिए, आप असली हीरोइन हो, लोगों के दिल की, बालाजी की, मेरी और इंडियन टेलीविजन की। जीतो, क्योंकि मुझे नहीं पता, या आपको नहीं पता कि हारना कैसे है।’ अभिषेक मल्हान और ईशा सिंह ने भी प्रियंका को अपना सपोर्ट दिया, जिसके बाद टावर के अंदर चल रही राइडलरी के बीच हौसला बढ़ाने वाले शब्द सुनकर प्रियंका चौधरी इमोशनल हो गईं। बनिजय एशिया द्वारा प्रोड्यूसर ‘राइज एंड फॉल’ सीजन 2 के होस्ट पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग हैं। यह शो प्राइम वीडियो पर फ्री में एक्सक्लूसिव तौर पर स्ट्रीम हो रहा है, जिसके नए एपिसोड रोज दोपहर 12 बजे रिलीज होते हैं।



रावण का किरदार कोई नहीं करना चाहता, यश की तारीफ में क्या बोलीं साई पल्लवी

निर्देशक नितेश तिवारी की फिल्म ‘रामायण’ को रिलीज होने में अब बस कुछ ही दिन बचे हैं। ऐसे में मेकर्स और फिल्म की कास्ट भारत के अलग-अलग शहरों में जाकर जोर-शोर से इसका प्रमोशन कर रहे हैं। हाल ही में हैदराबाद में हुए एक इवेंट में फिल्म में ‘सीता’ का किरदार निभा रही साई पल्लवी ने फिल्म में ‘रावण’ की भूमिका निभाने के यश के फैसले की तारीफ की।

साई पल्लवी ने कहा कि यश ने इस किरदार को पूरी तरह अपना लिया और लोगों की नफरत के बजाय उनका प्यार हासिल किया। साई पल्लवी ने कहा, ‘कोई भी रावण का किरदार नहीं निभाना चाहता, क्योंकि इस किरदार के साथ नफरत जुड़ी होती है, लेकिन यश ने यह किरदार निभाया और इसके बदले सभी का प्यार जीता।’

क्यों यश ने निभाया ‘रावण’ का किरदार

इससे पहले एक बातचीत में यश ने बताया था कि फिल्म के सह-निर्माताओं में से एक होने के बावजूद उन्होंने भगवान राम के बजाय रावण का किरदार निभाने का फैसला क्यों किया। यश ने कहा था, ‘राम की भलाई दिखाने के लिए रावण की बुराई भी तो चाहिए।’ अपनी एक्टिंग पर भरोसा जताते हुए यश ने कहा, ‘मुझसे अच्छी बुराई कोई दिखा नहीं सकता।’ फिर जब अभिनेता से पूछा गया कि तो क्या आपने



पर्दे पर बुरा आदमी बनने की जिम्मेदारी ले ली है? इसके जवाब में यश ने कहा, ‘जब मैं अच्छा किरदार भी करूंगा ना, मुझसे अच्छा कोई भी नहीं होगा।’ यश ने आगे कहा, ‘रावण को देखकर लगना चाहिए कि इसको कैसे मारा जाए? हम सभी ने अपने अहंकार को एक तरफ रख दिया है। रामायण में बात मेरे स्टारडम या एक स्टार के तौर पर मेरी पहचान की नहीं है। इस प्रोजेक्ट पर सबसे अच्छे लोग काम कर रहे हैं।’

कब रिलीज होगी फिल्म

फिल्म ‘रामायण’ दो पार्ट में रिलीज होगी। इसका पहला पार्ट अक्टूबर 2026 में दिवाली से पहले दुनियाभर में रिलीज होने वाला है। जबकि दूसरा पार्ट दिवाली 2027 पर रिलीज किया जाएगा। फिल्म ‘रामायण’ को करीब 4,000 करोड़ रुपये के भारी-भरकम बजट में बनाया गया है।



तलाक के बाद भी माही विज के साथ खड़े हैं जय भानुशाली



रियलिटी शो ‘बिग बॉस 20’ के हालिया एपिसोड में अभिनेत्री माही विज अपने पूर्व पति जय भानुशाली से जुड़े एलिमनी से जुड़े मामले पर इमोशनल होती

दिखी थीं। माही ने शो में बताया था कि उन्होंने तलाक के दौरान गुजारा भत्ता लेने से इनकार कर दिया था। अब इस मामले पर जय भानुशाली ने प्रतिक्रिया दी है और अपनी एक्स वाइफ माही विज का समर्थन किया। जय भानुशाली का कहना है कि पैसों को वह कभी-भी अपने बीच में नहीं आने देंगे। माही और उनकी बेटी तारा के लिए उनका प्यार और सम्मान हमेशा बना रहेगा।

माही की टीम ने उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर अभिनेत्री की यह विलप शेयर की थी, जिस पर कई सेलेब्स ने प्रतिक्रिया दी थी। वहीं, जय भानुशाली ने भी कमेंट करते हुए भरोसा दिलाया कि अलग होने के बावजूद वह हमेशा माही और तारा के साथ खड़े रहेंगे। जय भानुशाली ने लिखा, ‘मजबूत रहो माही। हम दोनों जानते हैं कि हम मुश्किल समय में हमेशा एक-दूसरे के साथ रहेंगे। पैसा कभी भी हमारे बीच न तो था और आगे भी कभी नहीं रहेगा। तुम और तारा हमेशा जीवन भर मेरी जिम्मेदारी रहेगी। शादी का स्टेटस तुम दोनों के लिए मेरे प्यार और सम्मान को कभी नहीं बदल सकता। मैं हमेशा तुम्हारे साथ हूँ।’

दरअसल, जय भानुशाली का यह बयान तब आया, जब रियलिटी शो ‘बिग बॉस 20’ के एक एपिसोड में अभिनेत्री माही विज अपनी सिंगल मदर की जर्नी, गुजारा भत्ता न लेने के फैसले और अपनी बेटी के भविष्य को खुद संवारने के इरादे पर बात करते हुए इमोशनल हो गई थीं। ‘बिग बॉस 20’ के पिछले एपिसोड में माही ने तारा की परवरिश के अपने अनुभव के बारे में बताया था और समझाया था कि उन्होंने जय से गुजारा भत्ते या मटेनेंस के तौर पर आर्थिक मदद न लेने का फैसला क्यों किया। उन्होंने बताया था कि जज ने उन्हें चार बार एलिमनी लेने के बारे में पूछा था, लेकिन उन्होंने मना कर दिया था, क्योंकि वह जानती हैं कि जय भानुशाली ने वह पैसा अपनी कड़ी मेहनत से कमाया है।



बर्लिन से टोरंटो तक पहुंची श्वेता त्रिपाठी की फिल्म

एक्ट्रेस श्वेता त्रिपाठी इन दिनों अपनी फिल्म ‘मुझे जान ना कहो मेरी जान’ को इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल और मार्केट तक ले जा रही हैं। इस साल की शुरुआत में बर्लिन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल से सफर शुरू करने वाली उनकी बतौर प्रोड्यूसर पहली फीचर फिल्म अब टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआईएफएफ) 2026 तक पहुंच गई है।

श्वेता का कहना है कि प्रोड्यूसर बनने के बाद कहानी को देखने का उनका नजरिया बदल गया है। अब वह सिर्फ फिल्म बनाने की प्रक्रिया तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि यह भी सोचती हैं कि फिल्म किन लोगों तक पहुंचेगी और इसके जरिए किस तरह की बातचीत शुरू हो सकती है। श्वेता ने कहा, ‘आप जिस फिल्म पर भरोसा करते हैं, उसे किसी इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म तक ले जाना अपने आप में खास होता है। खासकर तब, जब बतौर प्रोड्यूसर यह आपकी पहली फीचर फिल्म हो। बर्लिन से टोरंटो तक का सफर मेरे लिए बेहद खास रहा है, क्योंकि इस दौरान मुझे ‘मुझे जान ना कहो मेरी जान’ को एक अलग तरीके से पेश करने का मौका मिला।’ उन्होंने आगे कहा, ‘जब आप फिल्म को बनाने की प्रक्रिया से

आगे बढ़कर देखते हैं, तो आपके मन में यह सवाल आने लगते हैं कि फिल्म किन लोगों तक पहुंचेगी, इसके जरिए किस तरह की बातचीत शुरू हो सकती है और आगे इसके लिए क्या-क्या संभावनाएं हैं। यह मेरे लिए सीखने का शानदार अनुभव रहा है और मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूँ कि इस सफर का फिल्म के लिए क्या मतलब निकलता है।’ श्वेता त्रिपाठी ने बताया कि बतौर प्रोड्यूसर काम करने से उन्हें कहानी कहने के तरीके को एक नए नजरिए से समझने का मौका मिला है। उन्होंने कहा, ‘प्रोड्यूसर बनने के बाद कहानी कहने को लेकर मेरा नजरिया बदल गया है। एक एक्टर के तौर पर आप किसी किरदार और कहानी को पर्दे पर जीवंत करने में पूरी तरह जुटे रहते हैं।’ उन्होंने कहा, ‘प्रोड्यूसर के तौर पर आपको यह भी देखना होता है कि फिल्म बनने के बाद उसका सफर कैसा होगा, कौन लोग इससे जुड़ सकते हैं और आप फिल्म को उसके दर्शकों तक पहुंचाने के लिए किस तरह मौके बना सकते हैं। इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल और मार्केट ऐसे लोगों को एक साथ लाते हैं, जो इन संभावनाओं को हकीकत में बदलने में मदद कर सकते हैं। अपनी पहली प्रोडक्शन को इन प्लेटफॉर्म पर पेश कर पाना मेरे लिए एक अहम कदम रहा है।’

नेशनल अवॉर्ड जीत चुके फिल्ममेकर संजय नाग के निर्देशन में बनी ‘मुझे जान ना कहो मेरी जान’ में तिलोत्तमा शोम

और श्वेता त्रिपाठी नजर आएंगी। यह एक क्वीर लव स्टोरी है, जिसमें प्यार और इंसानी रिश्तों को ईमानदारी और बारीकी से दिखाने की कोशिश की गई है। बतौर प्रोड्यूसर श्वेता का सफर थिएटर से शुरू हुआ था। साल 2010 में उन्होंने अपनी थिएटर प्रोडक्शन कंपनी ‘ऑलमाइटी’ की शुरुआत की थी। इसकी पहली प्रस्तुतियों में ब्रिटिश नाटककार माइक बार्टलेट का क्वीर ड्रामा ‘कॉक’ शामिल था। माइक बार्टलेट ओलिवियर अवॉर्ड जीत चुके हैं।



धोनी खेलेंगे या लेंगे संन्यास, दिसंबर से पहले होगा फैसला

बंगलूरु, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी एमएस धोनी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने भविष्य को लेकर अहम संकेत दिया है। धोनी ने कहा कि अगले सीजन में खेलने का फैसला लेने से पहले उन्हें अपनी फिटनेस का आकलन करना होगा। उन्होंने संकेत दिया कि इस संबंध में दिसंबर से पहले फैसला लिया जा सकता है।

बंगलूरु में एक हेल्थकेयर कार्यक्रम के दौरान धोनी से पूछा गया कि क्या वह आईपीएल का एक और सीजन खेलना चाहेंगे। इस पर उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि पहले उन्हें फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा और रिपोर्ट के आधार पर यह देखना होगा कि वह एक और सीजन खेलने के लिए कितने मजबूत हैं।धोनी ने अपने भविष्य पर बात करते हुए कहा ‘डॉक्टर, मुझे टेस्ट से गुजरना होगा। आपको मुझे रिपोर्ट देनी होगी और फिर दिसंबर से पहले मुझे देखना होगा कि मैं एक और सीजन खेलने के लिए कितना मजबूत हूं।’ उन्होंने आगे मजाकिया अंदाज में कहा कि अगर वह खेलने की स्थिति में नहीं हुए, तो डॉक्टरों को उनकी सेहत का पूरा ध्यान रखना होगा, ताकि यह पुरानी गाड़ी सड़क पर अच्छी तरह चलती रहे।

चोट के कारण नहीं खेले धोनी

एमएस धोनी आईपीएल 2026 में फिटनेस संबंधी समस्याओं, खासकर पिंडली की परेशानी के कारण पूरे सीजन से बाहर रहे। उनकी गैरमौजूदगी चेन्नई सुपर किंग्स के प्रशंसकों के लिए निराशाजनक रही। अब सभी की नजरें उनकी फिटनेस और अगले सीजन में संभावित वापसी पर हैं। हालांकि, धोनी ने अभी आईपीएल 2027 में खेलने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

पिछले सीजन रहे निराशाजनक

चेन्नई सुपर किंग्स ने धोनी की कप्तानी में आखिरी बार 2023 में आईपीएल खिताब जीता था। 2024 से ऋतुराज गायकवाड़ के नेतृत्व में खेल रही टीम को पिछले दो सीजन में अपेक्षित सफलता नहीं मिली। टीम 2025 में अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर रही, जबकि 2026 में आठवें स्थान पर रही। ऐसे में धोनी की संभावित वापसी को लेकर प्रशंसकों में उत्सुकता बनी हुई है। हालांकि, टीम में उनकी भूमिका और अगले सीजन में खेलने की संभावना उनकी फिटनेस तथा अंतिम निर्णय पर निर्भर करेगी।

खेल

धोनी बोले- RCB ने शानदार प्रदर्शन किया

एमएस धोनी ने कहा कि कागजों पर किसी टीम का मजबूत दिखना उतना मायने नहीं रखता, जितना मैदान पर सही दिन अच्छा प्रदर्शन करना। उनके मुताबिक, टी20 जैसे छोटे प्रारूप में शीर्ष टीमों के बीच अंतर बहुत कम होता है और एक मैच का प्रदर्शन नतीजा बदल सकता है।धोनी ने माना कि पिछले दो वर्षों में सीएसके का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा, जबकि आरसीबी ने लगातार बेहतर क्रिकेट खेली है। उन्होंने कहा कि आरसीबी की उपलब्धियों को स्वीकार करने में कोई हिचक नहीं होनी चाहिए। धोनी के अनुसार, खेल में अच्छे और बुरे दौर आते रहते हैं। असली परीक्षा तब होती है, जब टीम उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाती। ऐसे समय में टीम को अपनी कमजोरियों को पहचानकर उन पर काम करना जरूरी होता है।

बंगलूरु के मैदान पर बल्लेबाजों को आता है मजा

एमएस धोनी ने बंगलूरु के क्रिकेट मैदान की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि यहां गेंद आसानी से बाउंड्री पार कर सकती है, जिससे बल्लेबाजों को बड़े शॉट खेलने का मौका मिलता है। उनके मुताबिक, कई बार बल्लेबाज का शॉट सही तरीके से नहीं लगने के बावजूद गेंद छक्के के लिए चली जाती है। हालांकि, यही मैदान गेंदबाजों के लिए चुनौतीपूर्ण भी बन जाता है। ९धोनी ने कहा कि इस तरह के हार्ड-स्कोरिंग मुकाबले दर्शकों के लिए मनोरंजक होते हैं। बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का अवसर मिलता है, जबकि गेंदबाजों को दबाव में अपनी क्षमता साबित करनी पड़ती है।

- धोनी ने कहा कि अगले सीजन में खेलने का फैसला लेने से पहले उन्हें अपनी फिटनेस का आकलन करना होगा*



विश्व कुश्ती चैंपियनशिप ललित कांस्य पदक के मुकाबले में पहुंचे

अस्ताना। भारत के ललित ने अमेरिका के मैक्स एमिलियानो नोवरी को 7-0 हराकर ग्रीको रोमन विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के कांस्य पदक के मुकाबले में जगह बनाई, लेकिन तीन अन्य भारतीय पहलवान पहले दौर में ही बाहर हो गए। ललित कांस्य पदक के मु्काबले में कजाकिस्तान के इस्कर कुरबायेव से भिड़ेंगे। अगर वह यह मैच जीत जाते हैं तो विश्व चैंपियनशिप में ग्रीको रोमन में पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन जाएंगे।

विश्व चैंपियनशिप में किस

भारतीय ने जीता है पदक...

संदीप तुलसी यादव एकमात्र भारतीय हैं जिन्होंने 2०13 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता नितेश सिवाच सहित तीन अन्य भारतीय पहलवान शुरुआती मुकाबलों से आगे नहीं बढ़ पाए। सिवाच को 97 किलोग्राम वर्ग में जर्मनी के एंटोन व्यूएग से हार का सामना करना पड़ा। जर्मनी के खिलाड़ी ने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीत हासिल की।

करणजीत (72 किलोग्राम) अपने क्वालीफाईंग मुकाबले में जापान के रिनतारी सोगबे से 2-3 से हार गए। करनजीत अच्छी स्थिति में थे लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए जबकि सोगबे ने जवाबी हमला करके अंक बनाकर भारतीय खिलाड़ी को पीछे छोड़ दिया। जोगिंदर राठी को 130 किलोग्राम वर्ग में तुर्किए के पहलवान और मौजूदा यूरोपीय चैंपियन रिजा कायालव से करारी हार का सामना करना पड़ा।

पाकिस्तान से आगे निकला भारत का जीत का रिकॉर्ड, 300 टी-20 मैचों में दर्ज की 200 जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। मौजूदा समय में टी20 क्रिकेट का क्रेज लगातार बढ़ रहा है और द्विपक्षीय सीरीज में टी20 के मुकाबले अधिक खेले जा रहे हैं। लगभग हर टीम खेल के इस छोटे प्रारूप में अधिक से अधिक मैच खेल रही है जिससे टेस्ट और वनडे के भविष्य पर सवाल भी खड़े हो रहे हैं। भारत ने सर्वाधिक तीन बार टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया है, लेकिन आपको जानकार हीानी होगी कि इस टीम ने टी20 में सर्वाधिक मैच नहीं खेले हैं।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच शनिवार को दूसरा टी20 मुकाबला खेला गया। भारतीय टीम के लिए ये मैच काफी विशेष रहा क्योंकि उसने मैदान पर उतरने के साथ ही बड़ी उपलब्धि अपने नाम की। शनिवार को क्राइस्टचर्च के प्रसिद्ध हेग्ले ओवल मैदान पर न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए मुकाबले के साथ ही भारतीय टीम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों का एक नया और अनूठा कीर्तिमान अपने नाम कर लिया। इस महत्वपूर्ण मैच के साथ ही भारत, चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के बाद टी20

अंतरराष्ट्रीय मैचों का 300 या उससे अधिक का आंकड़ा छूने वाली दुनिया की केवल दूसरी टीम बन गई है। क्रिकेट के इस सबसे तेज, छोटे और रोमांचक फॉर्मेट में भारत की यह यात्रा अविश्वसनीय रूप से सफल रही है, जिसने दुनिया भर के खेल प्रेमियों को अनगिनत यादगार और ऐतिहासिक लम्हे दिए हैं।

टी20 में सर्वाधिक मैच खेलने का रिकॉर्ड फिलहाल पाकिस्तान के नाम है। पाकिस्तान ने अब तक 3०4 टी20 मैच खेले हैं और वह पहले स्थान पर है। हालांकि, भारत ठीक उसके पीछे है। भारत इस सूची में अब दूसरे पायदान पर मजबूती से स्थापित हो गया है, जिसने अपने 300 मैच पूरे कर लिए हैं। इस क्रम में न्यूजीलैंड की टीम तीसरे स्थान पर है, जिसने अब तक कुल 269 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में हिस्सा लिया है। इसके अतिरिक्त, वेस्टइंडीज की टीम ने 260 और श्रीलंका ने 243 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जो इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली दुनिया की शीर्ष टीमों में शुमार हैं।

टी-20 में भारत-पाकिस्तान के आंकड़े

टी20 में भारतीय टीम के आंकड़ों को देखें तो टीम ने 300 मैचों में से 200 में जीत दर्ज की है। वहीं, मौजूदा टी20 विश्व कप चैंपियन टीम को 83 मैचों में हार मिली है और सात मैच टाई रहे हैं। वहीं, 1० मैच बेनतीजा रहे हैं। टी20 में 200 जीत का यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि भारतीय टीम ने टी20 क्रिकेट में किस स्तर का एकतरफा दबदबा बनाया है और वैश्विक मंच पर अपनी सर्वोच्चता कायम रखी है। दूसरी ओर, पाकिस्तान के प्रदर्शकों को देखें तो उसने कुल 3०4 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिसमें से उसे 176 मुकाबलों में जीत नसीब हुई है और 116 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। पाकिस्तान के चार मैच टाई पर छूटें हैं और आठ मुकाबलों का कोई परिणाम नहीं आ पाया है। जब भारत और पाकिस्तान के इन आंकड़ों की तुलना की जाती है, तो भारतीय टीम का जीत-हार का अनुपात काफी अधिक मजबूत नजर आता है।



तिलक वर्मा के फिनिशर की भूमिका से प्रभावित हुए सैंटनर

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा के फिनिशर के रूप में उभरने से प्रभावित न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा कि बायें हाथ के इस बल्लेबाज ने खुद को नई भूमिका में शानदार तरीके से ढाला है। तिलक ने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में नाबाद 51 रन की पारी खेलकर भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। सैंटनर ने तिलक को मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल एक साथ खेलते हुए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते देखा है, लेकिन अब बाएं हाथ का यह बल्लेबाज मैच खत्म करने की जिम्मेदारी भी बखूबी निभा रहे हैं।

जीत में दिया अहम योगदान

भारत के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में 21 रन देकर चार विकेट लेने वाले सैंटनर मुंबई इंडियंस की टीम में तिलक के अलावा भारत की जीत की नींव रखने वाले नमन धीर के साथ भी ड्रेसिंग रूम साझा कर चुके हैं। सैंटनर ने कहा, जब तिलक ने शुरुआत की थी, तब वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते थे। वह भूमिका थोड़ी अलग होती है। मध्यक्रम में आपकी भूमिका इस बात पर निर्भर करती है कि आप पारी के बीच के ओवरों और अंतिम ओवरों में किस तरह बल्लेबाजी करते हैं। मैं उन्हें मुंबई में पिछले कुछ वर्षों से खेलते देख रहा हूं। वह बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं।

नमन और नीतीश कुमार रेड्डी की भी तारीफ

उन्होंने तिलक के साथ बेहतरीन साझेदारी करने वाले नमन और नीतीश कुमार रेड्डी की भी तारीफ करते हुए कहा, नमन धीर के साथ भी ऐसा ही है। वह जिस तरह मैदान पर उतरते हैं और शुरुआत से ही बेखोफ होकर खेलते हैं, वह शानदार है। तिलक ने दूसरे मैच में थोड़ा समय लिया, लेकिन अंत में रेड्डी के साथ मिलकर लक्ष्य का पीछा बहुत अच्छी तरह संभाला। अगर आप फिनिशर की भूमिका निभाते हुए मैच खत्म करते हैं, तो आप अपना काम अच्छी तरह कर रहे हैं। इन तीनों बल्लेबाजों ने अंतिम चरण में शानदार प्रदर्शन किया।

न्यूजीलैंड ने कहां की गलती...

बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन के बावजूद सैंटनर को लगा कि न्यूजीलैंड ने मैदान पर कुछ अहम मौकों पर गलतियां करके मैच अपने हाथ से निकलने दिया। उन्होंने भारतीय पारी के अंतिम चरण में कैच छोड़ने और क्षेत्ररक्षण में चूक को हार का प्रमुख कारण बताया। उन्होंने कहा, अगर दोनों टीमों के कोशल की तुलना करें तो मुकाबला काफी करीबी रहा है। फैसला मैदान पर कुछ छोटे-छोटे पलों से हुआ। दूसरे टी20 में लक्ष्य का पीछा करते समय अंतिम चरण में हम अच्छी स्थिति में थे, लेकिन हमने कुछ कैच छोड़े और क्षेत्ररक्षण में गलतियां कीं। यही चीजें मैच जिताती या हराती हैं।न्यूजीलैंड के कप्तान ने कहा कि टीम इस हार की समीक्षा करेगी, लेकिन छूटे हुए मौकों पर जरूरत से ज्यादा ध्यान देने के बजाय सकारात्मक पहलुओं को भी देखेंगी। सीरीज का अगला मुकाबला वेलिंगटन में खेला जाना है, जहां तेज हवाओं के कारण क्षेत्ररक्षण एक बार फिर चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

वाल्टर को वापसी की उम्मीद, बोले- हमने मौके गंवाए

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने रविवार को कहा कि भारत के खिलाफ पहले दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उनकी टीम ने कुछ मौके गंवाए लेकिन उन्हें उम्मीद है कि टीम बाकी बचे तीन मैच में वापसी करने में सफल रहेगी। न्यूजीलैंड की टीम ने पहले दो मैच में अधिकतर समय अपना पलड़ा भारी रखा लेकिन आखिर में उसे हार का सामना करना पड़ा।वाल्टर का मानना है कि उनकी टीम ने प्रत्येक मैच के लगभग 80 प्रतिशत हिस्से में अच्छा प्रदर्शन किया था। वाल्टर ने कहा, हम दोनों मैचों में आसानी से जीत हासिल कर सकते थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हमने कुछ अच्छे मौके गंवाए जिससे परिणाम हमारे अनुकूल नहीं रहा। हार से थोड़ी निराशा है लेकिन हम अपने प्रदर्शन से बेहद खुश हैं। हम दोनों मैच का अंत अपने अनुकूल नहीं कर पाए जो निराशाजनक है लेकिन हमारे लिए दोनों मैच में कई सकारात्मक पहलू रहे।

वाल्टर ने स्वीकार किया कि उनकी टीम को महत्वपूर्ण क्षणों में अपने खेल में सुधार करने की जरूरत है। न्यूजीलैंड ने दूसरे मैच में कुछ कैच छोड़े जबकि एक बार नोबॉल होने के कारण बल्लेबाज को जीवनदान मिला। उन्होंने कहा, कोई भी जानबूझकर ऐसी गलतियां नहीं करता। अनजाने में ऐसा हो जाता है। इसकी कीमत चुकानी पड़ सकती है। दूसरे मैच की बात करें तो पावरप्ले में तीन विकेट गंवाने के बाद 180 रन तक पहुंचना आसान नहीं होता है। ईमानदारी से कहूं तो इस स्कोर का बचाव किया जा सकता था।



सैंटनर को सराहा

वाल्टर ने दूसरे मैच में कप्तान मिचेल सैंटनर के प्रदर्शन की भी प्रशंसा की जिन्होंने चार विकेट लेकर मैच का रुख अपने पक्ष में मोड़ दिया था। उन्होंने कहा, कभी-कभी उनके प्रदर्शन को सराहना नहीं मिलती है। यह कोई बहुत ज्यादा टर्न लेने वाली पिच नहीं थी। थोड़ी बहुत उछाल जरूर थी। लेकिन जिस तरह से उन्होंने गेंद को क्रीज पर घुमाया और अपनी गति का इस्तेमाल किया, वह वास्तव में काबिले तारीफ था।

तीसरे टी-20 में नहीं खेलेंगे फर्ग्युसन, हेनरी सीरीज से हुए बाहर

भारत के खिलाफ मौजूदा टी20 सीरीज खेल रही न्यूजीलैंड की टीम के तेज गेंदबाजी विकल्पों की आने वाले दिनों में कड़ी परीक्षा होने वाली है। न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, खिलाड़ियों के वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत तेज गेंदबाजों को रोटेट किया जा रहा है। लॉकी फर्ग्युसन मंगलवार को वेलिंगटन में होने वाले तीसरे टी20 मैच के लिए यात्रा नहीं करेंगे, बल्कि रविवार को ऑकलैंड चले जाएंगे ताकि वे शुक्रवार को ऑकलैंड और फिर हैमिलटन में होने वाले चौथे और पांचवें टी20 मैच के लिए उपलब्ध रह सकें। वहीं, मैट हेनरी क्राइस्टचर्च में ही रुकेंगे, जहां पहले दो टी20 मैच खेले गए थे। वह इस सीरीज के बाकी बचे तीनों टी20 मैचों से बाहर हो गए हैं। इसके बजाय, वह न्यूजीलैंड और भारत के बीच चार नवंबर को खेले जाने वाले पहले वनडे मैच से पहले ऑकलैंड के लिए रवाना होंगे। काइल जैमीसन, जो शुरुआती दोनों टी20 मैचों का हिस्सा नहीं थे, तीसरे मैच के लिए वेलिंगटन जाएंगे।

‘मन की बात’ समाज को सकारात्मक दिशा देने वाला संवाद: डॉ. अर्चना गुप्ता



हिन्द जनपथ

रोहतक(ब्यूरो)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने रोहतक विधानसभा के बुध संध्या 169 स्थित मदनलाल ढींगरा कम्पुनिटी सेंटर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ‘मन की बात’ कार्यक्रम का 139वां संस्करण सुरू किया। उन्होंने कहा कि ‘मन की बात’ समाज को सकारात्मक दिशा देने और देशवासियों को रचनात्मक कार्यों के लिए प्रेरित करने वाला सशक्त संवाद है।

डॉ. गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं, महिलाओं, किसानों सहित समाज के हर वर्ग को सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रहे लोगों के प्रयासों को राष्ट्रीय पहचान देकर वे दूसरों को भी समाज और राष्ट्र के लिए योगदान देने को प्रोत्साहित करते हैं। दीपावली पर स्थानीय कारीगरों और स्वदेशी उत्पादों को प्रथमिकता देने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि विदेशी सजावटी लड़ियों के बजाय मिट्टी के दीये खरीदकर स्थानीय कुम्हारों और कारीगरों की आजीविका को मजबूती दें। हमारी खरीदारी उनके घरों में ही त्योहार की खुशियाँ पहुँचाने का माध्यम बन सकती है। डॉ. अर्चना गुप्ता ने ‘वोकल फॉर लोकल’ और ‘लोकल फॉर ग्लोबल’ के मंत्र को अपनाने हुए स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

किसानों को मंडियों में बेहतर सुविधाएं और फसल का उचित मूल्य दिलाना सरकार की है प्राथमिकता- कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा

जगदीश, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने रविवार को गुरुग्राम की जटौली और फर्रूखनगर अनाज मंडियों का दौरा कर बाज़र की खरीद व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मंडियों में पहुंची फसल, खरीद प्रक्रिया तथा किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने किसानों और आदृतियों से बातचीत कर व्यवस्थाओं के संबंध में फीडबैक भी लिया। एसडीएम दिनेश लुहाच ने कृषि मंत्री का स्वागत करते हुए उन्हें खरीद प्रक्रिया की जानकारी दी। कृषि मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडियों में किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि फसल खरीद निर्धारित मानकों के अनुरूप पारदर्शी तरीके से होनी चाहिए, ताकि किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए अनावश्यक इंतजार न करना पड़े।

मंडियों में खरीद प्रबंधों की समीक्षा के लिए कृषि मंत्री ने मार्केट कमेटी कार्यालय में संबंधित विभागों और खरीद एजेंसियों के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि केंद्र और हरियाणा सरकार किसानों की आर्थिक मजबूती तथा उनके हितों की सुरक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के साथ मंडियों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाना भी सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खरीद प्रक्रिया के प्रत्येक चरण पर विशेष ध्यान दिया जाए और किसानों को अपनी फसल बेचने के दौरान किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

गौशाला परिसर और लाइब्रेरी में किया पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी किया

जगदीश, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। प्रदेश के लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य आभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंग्वा ने रविवार को हिसार के गाँव न्याणा स्थित बुध नंबर 96 के समीप गौशाला में पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों के साथ सामूहिक रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात का 139वाँ संस्करण सुना।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ने कहा कि मन की बात केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह देशवासियों से सीधे संवाद, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण की दिशा में योगदान देने की प्रेरणा का एक सशक्त माध्यम बन चुका है। इस कार्यक्रम के जरिए समाज में हो रहे सकारात्मक बदलावों, जनसेवा के अनुकरणीय कार्यों और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को एक नई ऊर्जा और दिशा मिलती है।

कैबिनेट मंत्री रणबीर गंग्वा ने शिव गौशाला समिति परिसर एवं न्याणा लाइब्रेरी में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने उपस्थित गणमान्य जनों और साथियों से संवाद करते हुए सामाजिक सरोकारों और क्षेत्र के सर्वांगीण विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रकृति का संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें न केवल अधिक से अधिक पौधे लगाने का संकल्प लेना चाहिए, बल्कि उनकी उचित देखभाल भी करनी चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ, हरित और स्वस्थ वातावरण तैयार किया जा सके।

इससे पूर्व कैबिनेट मंत्री ने हिसार में आम जनता की समस्याओं एवं जनहित से जुड़े विषयों को गंभीरता से सुना। उन्होंने मौके पर ही संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए जनसमस्याओं का शीघ्र अति शीघ्र और प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का प्रयास केवल समस्याएँ सुनना नहीं, बल्कि उनके धरातल पर समाधान तक पहुँचाना है। जनसेवा के प्रति समर्पण और जनविश्वास को बनाए रखते हुए हर नागरिक की आवाज को प्राथमिकता देना ही सरकार का मूल संकल्प है।

संत परंपरा ने समाज को सदैव प्रेम, करुणा व मानवता का मार्ग दिखाया- राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के राज्यपाल प्रो असीम कुमार घोष ने कहा कि भारत की समृद्ध संत परंपरा ने सदैव समाज को प्रेम, करुणा, सद्भाव और मानवता का मार्ग दिखाया है। संतों की वाणी और विचार हमें यह सिखाते हैं कि सच्ची आध्यात्मिकता केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरतमंदों की निस्वार्थ सेवा, परस्पर सम्मान और समाज के समग्र कल्याण में निहित है।

राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष रविवार को रोहतक में टिकाणा संत बाबा सावल शाह आश्रम के बाबा प्रेमदास की स्मृति में आयोजित वार्षिक यज्ञ संगम एवं भंडारे के पावन अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं, आयोजकों और साधु-संतों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर हरियाणा की प्रथम महिला श्रीमती मित्रा घोष भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि यज्ञ हमारी प्राचीन सांस्कृतिक परंपरा का पावन प्रतीक है, जो हमें त्याग, समर्पण और लोकमौल की भावना का संदेश देता है। वहीं, भंडारा सेवा, समानता और भाईचारे की भावना को सुदृढ़ करता है, जहाँ सभी वर्ग के लोग एक साथ बैठकर सामाजिक समस्याओं का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि वर्तमान समय में संतों की इन अमूल्य शिक्षाओं को अपने दैनिक जीवन में उतारने, युवा पीढ़ी को नैतिक मूल्यों व संस्कारों से जोड़ने और समाज में प्रेम, सद्भाव तथा आपसी सहयोग की भावना को और अधिक प्रगाढ़ करने की महती आवश्यकता है।

राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने इस भव्य व पुनीत आयोजन के लिए आश्रम प्रबंधन के सभी पदाधिकारियों और श्रद्धालुओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि हम सब मिलकर एक ऐसे समाज के निर्माण का संकल्प लें, जहाँ सेवा ही हमारा धर्म हो, मानवता सर्वोच्च मूल्य बने और सद्भाव ही हमारी पहचान स्थापित करे।

चंडीगढ़/ हरियाणा / पंजाब युवाओं की भागीदारी से ही विकसित भारत का संकल्प होगा साकार: डॉ. अर्चना गुप्ता

रोहतक में ‘विकसित भारत युवा कन्वेंशन’ को किया संबोधित

हिन्द जनपथ

रोहतक(ब्यूरो)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ही विकसित भारत का संकल्प साकार होगा। युवा अपनी ऊर्जा, प्रतिभा और नवाचार की क्षमता राष्ट्र निर्माण में लगाएँ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में युवाओं की भूमिका निर्णायक होगी।

रविवार को रोहतक के मदनलाल ढींगरा कम्पुनिटी सेंटर में आयोजित ‘विकसित भारत युवा कन्वेंशन’ में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. गुप्ता ने युवाओं से सीधे सवाल-जवाब किए। उन्होंने एसआईआर, लोकतंत्र, शिक्षा, रोजगार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सोशल मीडिया पर भ्रामक प्रचार से जुड़े प्रश्नों के उत्तर दिए।

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर उन्होंने कहा

किसानों, युवाओं, महिलाओं और ग्रामीण विकास के लिए केंद्र और हरियाणा सरकार प्रतिबद्ध, पात्र युवाओं को योग्यता के आधार पर मिल रही हैं नौकरियां-विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास, किसानों की खुशहाली, युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार का उद्देश्य प्रत्येक गांव में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाना और ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार लाना है। उन्होंने कहा कि गांव हरसाना कला के ग्रामीणों की भावनाओं और मांगों का सम्मान किया जाएगा तथा ग्रामसभा से प्रस्ताव प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आगामी कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री रविवार को सोनीपत के गांव हरसाना कलां में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की मांगों को गंभीरता से सुना और प्रदेश सरकार की ओर से ग्रामीण विकास के लिए किए जा रहे कार्यों एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

मंत्री ने कहा कि हरियाणा का बड़ा हिस्सा ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़ा हुआ है और पंचायत विभाग की जिम्मेदारी गांवों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रदेश में 6,230 ग्राम

हरियाणा के 610 सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में यूपीआई भुगतान सुविधा शुरू, घर बैठे हो सकेगा ओपीडी पंजीकरण

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार ने सरकारी अस्पतालों में मरीजों को लंबी कतारों से राहत दिलाने और स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। प्रदेश के 610 सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में यूपीआई आधारित डिजिटल भुगतान सुविधा शुरू की गई है। इसके साथ ही मरीजों को अस्पताल पहुंचने से पहले घर बैठे ऑनलाइन ओपीडी पंजीकरण कराने की सुविधा का भी विस्तार किया गया है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य सरकारी अस्पतालों में पंजीकरण और भुगतान की प्रक्रिया को सरल बनाना, मरीजों का प्रतीक्षा समय कम करना तथा उन्हें सुविधाजनक और पारदर्शी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। प्रदेश के सभी 23 जिला नगरिक अस्पतालों, 52 नगरिक एवं उप-नगरिक अस्पतालों, 121 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा 414 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों सहित कुल 610 स्वास्थ्य संस्थानों में यूपीआई आधारित डिजिटल भुगतान प्रणाली लागू कर दी गई है। इस सुविधा के माध्यम से मरीज अब ओपीडी पंजीकरण, आर्डरों की पंजीकरण, मेडिको-लौगल मामलों तथा अन्य स्वास्थ्य सेवाओं के लिए निर्धारित शुल्क का भुगतान यूपीआई के माध्यम से कर सकेंगे।

पलटल में हरियाणा केसरी अखाड़ा दंगल-2026 का हुआ भव्य समापन, पहलवानों ने दिखाया दमखम

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)।खेल एवं युवा अधिकारिता राज्य मंत्री श्री गौरव गंतम ने कहा कि हरियाणा की धरती सदियों से कुश्ती और अन्य पारंपरिक खेलों की समृद्ध विरासत के लिए जानी जाती है। प्रदेश के खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत, लगन और अनुशासन के बल पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हरियाणा का गौरव बढ़ाया है। केंद्र और प्रदेश सरकार खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए निरंतर प्रयासरत है। हरियाणा सरकार द्वारा बनाई गई खेल नीति खेल प्रतिभाओं का मनोबल बढ़ाकर उनके सपनों को पंख लगाने का काम कर रही है।

हरियाणा केसरी प्रोस्टेडल के पुरुष वर्ग



कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण लोकातांत्रिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। मृत मतदाताओं, एक से अधिक स्थानों पर दर्ज नामों और स्थायी रूप से स्थानांतरित लोगों की प्रविष्टियों का सत्यापन आवश्यक है। साथ ही प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम सूची में शामिल होना और उसके मतदान अधिकार की रक्षा सुनिश्चित करना भी उतना ही जरूरी है। पारदर्शी और गृटिहित मतदाता सूची लोकतंत्र को मजबूत करती है।

सरकारी नौकरियों से आगे आधुनिक तकनीक में अवसरों के सवाल पर डॉ. गुप्ता ने नई शिक्षा नीति, कौशल विकास, स्टार्टअप, अनुसंधान और तकनीकी

संस्थानों के विस्तार का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि युवा नौकरी तलाशने के साथ रोजगार सृजित करने की दिशा में भी बढ़ें। अंतरिक्ष उपलब्धियां, रक्षा उत्पादन, मोबाइल विनिर्माण और हरियाणा में बढ़ता औद्योगिक निवेश युवाओं के लिए नई संभावनाएं खोल रहे हैं।

गरीब परिवारों के बच्चों की शिक्षा पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार का प्रयास है कि आर्थिक कठिनाई किसी बच्चे के भविष्य में बाधा न बने। उन्होंने नि:शुल्क स्कूली शिक्षा, पाठ्यपुस्तकों, मिड-डे मील, पीएम श्री स्कूलों, मॉडल संस्कृति स्कूलों और सुपर-

पंचायतों, 22 जिला परिषदों और 143 ब्लॉक के माध्यम से

ग्रामीण विकास के कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा प्रदेश के सभी गांव की फिनरियों पर स्ट्रीट लाइट लगवाई जाएगी। अब तक 908 गांवों की फिनरियां पर स्ट्रीट लाइट लगाई जा चुकी हैं और 500 गांव में कार्य चल रहा है। स्ट्रीट लाइट लगाने के इस कार्य में 175 करोड़ रुपए की लागत आएगी।सरकार का लक्ष्य है कि गांवों में बेहतर रोशनी की व्यवस्था हो और ग्रामीणों को सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण मिले। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब तक 996 गांव में 75 करोड़ रुपए की लागत से अटल पुस्तकालय स्थापित किया जा चुके हैं और इस वित्तीय वर्ष में 1000 नए अटल पुस्तकालय स्थापित करने का कार्य प्रगति पर है। अटल पुस्तकालय खुलने से युवाओं को पढ़ने की सुविधा मिलेगी। ग्रामीण युवाओं को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए इंडोर जिम स्थापित किए जा रहे हैं। अब तक 427 गांवों में लगभग 28 करोड़ रुपये की लागत से इंडोर जिम स्थापित किए जा चुके हैं, जबकि दूसरे चरण में 234 गांवों को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा प्रत्येक गांव में महिला सांस्कृतिक केंद्र स्थापित करने की दिशा में भी काम किया जा रहा है।

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। शहर में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने, नागरिक बुनियादी ढांचे में सुधार लाने और सार्वजनिक स्थलों की बेहतर देखभाल सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगर निगम पंचकूला ने अपने सभी क्षेत्रों में फील्ड निरीक्षण तेज कर दिए हैं। इस पहल के तहत शहर के विभिन्न सेक्टरों में नियमित निरीक्षण कर नागरिक सुविधाओं की स्थिति का आकलन किया जाएगा तथा कमियों को दूर करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। नगर निगम पंचकूला के आयुक्त श्री विनय कुमार लगातार फील्ड

100 कार्यक्रम का उल्लेख किया। हरियाणा की 'बिना पचीं, बिना खचीं' भत्ती व्यवस्था को उपलब्धि बताते हुए उन्होंने कहा कि इससे युवाओं का मेहनत और योग्यता पर विश्वास मजबूत हुआ है। 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान पर विश्वास मजबूत हुआ है। 'लोकतंत्र शांतिपूर्ण विरोध और असहमति व्यक्त करना नागरिकों का अधिकार है, लेकिन आंदोलन के नाम पर हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान और पुलिसकर्मियों पर हमले स्वीकार्य नहीं हैं। उन्होंने युवाओं से सोशल मीडिया पर तथ्यपरक, सकारात्मक सामग्री साझा करने और भ्रामक प्रचार से सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने आह्वान किया कि युवा भारत को विकसित, स्वच्छ, स्वस्थ और आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लें। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष रणबीर ढाका, वरिष्ठ भाजपा नेता प्रदीप जैन, भाजपा युवा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष अक्षित दहिया, एससी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष अजय खुडिया, प्रदेश सचिव विकास दहिया, नागेंद्र शर्मा, दीपक निवास हुड्डा, नवीन दहिया, रमा बल्हारा, पर्व शर्मा और कर्ण प्रताप सिंह सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इंडी गठबंधन का मॉक पार्लियामेंट मॉक प्रस्ताव ही पास करेगा, क्योंकि इसे प्रस्ताव पर कोई कार्रवाई नहीं होती: अनिल विज

जगदीश, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि 30 अक्टूबर को इंडी गठबंधन मॉक पार्लियामेंट में मॉक प्रस्ताव ही पास करेगा और मॉक प्रस्ताव पर कोई कार्रवाई नहीं होती है। इसके अलावा, उन्होंने जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला के बयान के संबंध पर हमला करते

हुए कहा कि 'फारूक अब्दुल्ला जी का जो चरित्र है वह देश के जन-जन में पहले से ही उजागर है यह हिंदुस्तान से ज्यादा पाकिस्तान से प्रेम करते हैं'। उन्होंने विपक्ष के सिलेंडर लगाकर कभी किसी मुद्दे को आत्माएं पलट पलट के इस पर वार करने की कोशिश करती हैं लेकिन इन्का कोई भी प्रहार कामयाब नहीं होगा'।

थी विज आम मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब दे रहे थे।

उन्होंने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा

स्वच्छता एवं नागरिक बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए नगर निगम पंचकूला ने तेज किए फील्ड निरीक्षण

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। शहर में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने, नागरिक बुनियादी ढांचे में सुधार लाने और सार्वजनिक स्थलों की बेहतर देखभाल सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगर निगम पंचकूला ने अपने सभी क्षेत्रों में फील्ड निरीक्षण तेज कर दिए हैं। इस पहल के तहत शहर के विभिन्न सेक्टरों में नियमित निरीक्षण कर नागरिक सुविधाओं की स्थिति का आकलन किया जाएगा तथा कमियों को दूर करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। नगर निगम पंचकूला के आयुक्त श्री विनय कुमार लगातार फील्ड

निरीक्षण के माध्यम से जमीनी स्तर पर व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं। इन निरीक्षणों का उद्देश्य सफाई व्यवस्था और नागरिक सेवाओं की समीक्षा करना, विकास कार्यों की प्रगति का आकलन करना तथा संबंधित अधिकारियों एवं फील्ड कर्मचारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करना है। निगम का लक्ष्य शहर में स्वच्छता और नागरिक प्रबंधन के निर्धारित मानकों को केवल बनाए रखना ही नहीं, बल्कि उनमें निरंतर सुधार सुनिश्चित करना भी है।

इसी दिशा में आयुक्त ने प्रमुख सेक्टरों के लिए विस्तृत निरीक्षण कार्यक्रम निर्धारित किया है। यह कार्यक्रम 27

जब हर नागरिक कहेगा कि देश के लिए मेरा भी योगदान है, तब भारत की प्रगति को कोई नहीं रोक सकता : नायब सिंह सैनी

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज अधिकारों की चर्चा तो बहुत होती है, लेकिन कर्तव्यों और जिम्मेदारियों पर अपेक्षाकृत कम चर्चा होती है। हमें यह समझने की आवश्यकता है कि हमारे अधिकार क्या हैं, हमारा दायित्व क्या है और एक नागरिक के रूप में हमारी जिम्मेदारी क्या है। उन्होंने कहा कि 'हम भारत के लोग, हमारा दायित्व' जैसे महत्वपूर्ण विषय पर विचार-विमर्श के लिए एकत्र होना अपने आप में एक सार्थक पहल है। ऐसे आयोजनों में होने वाली चर्चा से निकलने वाले विचारों का लाभ आने वाली पीढ़ियों को मिलता है और उन्हें देश व राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को समझने की दिशा मिलती है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी रविवार को चंडीगढ़ में पंचनद शोध संस्थान द्वारा आयोजित 33वां वार्षिक व्याख्यान पूर्व-लोकमंथन कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का विषय 'हम भारत के लोग, हमारा दायित्व' था। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान पंचनद शोध संस्थान को 11 लाख रुपये देने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने



अपने संबोधन में कहा कि संविधान में मौलिक कर्तव्यों को शामिल किया गया था, लेकिन लंबे समय तक अधिकारों पर अधिक और कर्तव्यों पर कम चर्च होती रही। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस कार्यक्रम में वक्ताओं द्वारा रखे जाने वाले विचार आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रकाश स्तंभ की तरह काम करेंगे और देशवासियों को राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का मार्ग दिखाएंगे।

उन्होंने कहा कि हमारे संविधान की प्रस्तावना के पहले शब्द हैं- 'हम, भारत के लोग।' ये शब्द हमें बताते हैं कि भारत की लोकातांत्रिक व्यवस्था का आधार जनता है। संविधान हमें अधिकार देता है, हमारी स्वतंत्रता और गरिमा की रक्षा करता है। साथ ही, वह हमसे यह अपेक्षा भी करता है कि हम देश, समाज और एक-दूसरे के प्रति अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभाएं। अधिकार हमें सशक्त बनाते हैं और दायित्व उस शक्ति को सही दिशा देते हैं।



कि यह भटकी हुई आत्माएं हैं क्योंकि देश की जनता ने इनको पूरे देश से टुकड़ा दिया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष अपने आप को जनता में जीवित रखने के लिए ऑक्सिजन के सिलेंडर लगाकर कभी किसी मुद्दे का, कभी किसी कंपनी का जीवित होने का प्रमाण देना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि फारूक अब्दुल्ला द्वारा कश्मीर के लिए भारत के इशारे ठीक नहीं है, के बारे में दिए गए बयान के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि

भी भारत का वैसे ही अंग है जैसे पंजाब है, हरियाणा है, उत्तर प्रदेश और राजस्थान है और कश्मीर तथा कश्मीर के लोगों ने इसका स्वागत किया है।

विज ने कहा कि कश्मीर में अब जी-20 की बैठक आयोजित की जाती है। इसी प्रकार से कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय स्तर के मैच भी आयोजित किए जाते हैं लेकिन कश्मीर के लिए भारत के इशारे ठीक नहीं है, के बारे में दिए गए बयान के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि



अक्टूबर, 2026 को सेक्टर-28 से शुरू होकर 9 दिसंबर, 2026 को सेक्टर-7 तक चलेगा। निरीक्षण के दौरान सफाई व्यवस्था, कचरा प्रबंधन, सड़कों की स्थिति, चल रहे विकास कार्यों तथा के सार्वजनिक स्थलों के रखरखाव की

विकसित भारत का सपना साकार करना है तो युवाओं को नशे से बचाना होगा : राज्यपाल

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत @2047 के संकल्प को साकार करने के लिए युवाओं को नशे से बचाना और उन्हें राष्ट्र निर्माण से जोड़ना जरूरी है। नशा समाज के लिए गंभीर खतरा है। इससे निपटने के लिए शिक्षक, विद्यार्थी और समाज के सभी वर्ग मिलकर नशामुक्त भारत के निर्माण को जनआंदोलन बनाएं। यह आह्वान हरियाणा के राज्यपाल एवं महर्षिदयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के कुलाभिपति प्रो. असीम कुमार घोष ने किया। वे रविवार को एमडीयू रोहतक में एनएसएस सेल द्वारा आयोजित नशामुक्ति जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना कर रहे थे। राज्यपाल एवं कुलाभिपति प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य तभी हासिल होगा, जब देश का युवा स्वस्थ, जागरूक और नशे से दूर होगा। युवाओं की ऊर्जा और प्रतिभा का उपयोग देश के विकास में होना चाहिए। इसके लिए नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और युवाओं को सामाजिक सरोकारों से जोड़ना जरूरी है। इस अवसर पर राज्यपाल की धर्मपत्नी एवं हरियाणा की प्रथम महिला श्रीमती मित्रा घोष की गरिमायुगी उपस्थिति रही। इस जागरूकता रैली में नेशनल इंटीग्रेशन कैंप में भाग ले रहे आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिसा, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, जम्मू कश्मीर, पंजाब, हरियाणा आदि नौ राज्यों के 172 श्रेष्ठ एनएसएस स्वयंसेवकों ने पारंपरिक परिधानों में शामिल होकर नशे के खिलाफ जागरूकता का सार्थक संदेश दिया।

जिसकी भरपाई संभव नहीं है।

बहु को राजनीतिक विरासत सौंपने का सपना

परिवार से मिली जानकारी के अनुसार, स्वर्गीय देस राज गुप्ता की इच्छा थी कि उनकी पुत्रवधू नीतिका गुप्ता उनकी राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाएं और जनसेवा के कार्यों में अपनी भूमिका निभाएं। उनके निधन के बाद परिवार के सदस्यों ने इस सपने को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया और नीतिका गुप्ता को लोकसेवा के क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रेरित किया।

इसी पारिवारिक संकल्प के तहत नीतिका गुप्ता ने वार्ड नंबर 5 से भाजपा की उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा। हालांकि, उन्हें चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। लेकिन परिवार के

लिए यह कदम केवल चुनावी राजनीति नहीं, बल्कि स्वर्गीय देस राज गुप्ता की इच्छा को सम्मान देने का प्रयास भी था।

निजी जीवन में एक के बाद एक दुखद घटनाएँ

नीतिका गुप्ता के पिता का करीब ढाई वर्ष पहले कैंसर के कारण निधन हो गया था। इसके बाद अगस्त 2026 में उनके ससुर स्वर्गीय देस राज गुप्ता के निधन से कुछ दिन पहले उनकी माता जी का भी देहांत हो गया। लगातार अपनों को खोने का यह दौर परिवार के लिए बेहद कठिन रहा। ऐसे समय में किसी व्यक्ति की सार्वजनिक सक्रियता बेहद जैसी न दिखाई देना स्वाभाविक हो सकता है। हालांकि, नीतिका गुप्ता की राजनीतिक विविधियों में कीम के पीछे इन्हीं परिस्थितियों की भूमिका रही।